mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-311 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
12 नवंबर 2024 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

लंबे समय बाद साक्षी...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक के मंत्री ने केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी को कालिया कहा

बोले- वो भाजपा से ज्यादा खतरनाक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के आवास मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान ने राज्य के पूर्व सीएम और केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी को कालिया कहा। खान चन्नापटना विधानसभा सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी सीपी योगेश्वर

के प्रचार के लिए पहुंचे थे। यहां से कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी जनता दल सेक्युलर से मैदान में हैं। खान ने रामनगर में रैली के दौरान कहा- सीपी योगेश्वर भाजपा में चले गए थे, लेकिन वे कांग्रेस में लौट आए हैं। विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी से मतभेद के कारण वे निर्दलीय चुनाव लड़े। बाद में वे भाजपा में शामिल हो गए।

राहुल ने आईलव वायनाड लिखी टीशर्ट पहनी

वायनाड (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को केरल के वायनाड में अपनी बहन प्रियंका के लिए चुनावी रैली की। इस दौरान वे अपनी ट्रेडमार्क सफेद टीशर्ट में नजर आए, जिसके पीछे 'आई लव वायनाड' लिखा था।

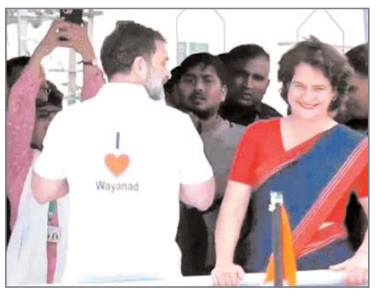

प्रियंका के साथ रैली करते हुए उन्होंने वायनाड के लोगों को ये टीशर्ट दिखाई। राहुल ने कहा कि वायनाड के लोगों ने उन्हें इतना स्नेह दिया कि उनकी पूरी राजनीति का दृष्टिकोण बदल गया। यहां आने के बाद उन्होंने राजनीति में 'प्यार' शब्द का इस्तेमाल शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि आपसे मिले प्यार के प्रति आभार जताने के लिए मैंने 'आई लव वायनाड' टीशर्ट पहनी है।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू की राम मंदिर उड़ाने की धमकी

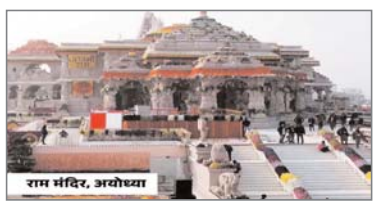

जालंधर (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी और सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू ने नया वीडियो जारी कर अयोध्या में राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स में इसका दावा किया गया है। वीडियो में वह राम मंदिर को निशाना बनाने की बात कह रहा है। साथ ही पन्नू ने कनाडा में भारतीय मूल के हिंदू सांसद चंद्र आर्य को भी धमकी दी है। पन्नू ने वीडियो जारी कर कहा कि 16 और 17 नवंबर को अयोध्या के राम मंदिर में हिंसा होगी। मीडिया इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता। आतंकी पन्नू ने वीडियो में यह भी कहा कि हम हिंदुत्ववादी विचारधारा की जन्मस्थली अयोध्या की नींव हिला देंगे।

कश्मीर में आसमान से बरसी चांदी!

गुलमर्ग-साधना टॉप में ताजा बर्फबारी, घाटी ने ओढ़ी सफेद चादर

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर घाटी में सोमवार को जगह-जगह बर्फबारी हुई है। गुलमर्ग में ताजा बर्फबारी ने पर्यटकों को रोमांचित कर दिया है। अभी तक यहां दो इंच बर्फ जमा हो चुकी है और तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से कम है। साधना टॉप पर लगभग 4 इंच बर्फबारी दर्ज की गई है। उधर पीर की गली में भी हल्की बर्फबारी हुई है। गुलमर्ग इस समय गुलजार हो गया है। दरअसल, पर्यटकों के आवागमन के साथ-साथ यहां आज ताजा बर्फबारी हुई है। अब तक दो इंच बर्फ जमा हो चुकी है। जम्मू-कश्मीर में बारिश और बर्फबारी की वजह से जम्मू आने वाली कई फ्लाइट्स रद कर दी गई हैं। रविवार सुबह दिल्ली से आने वाला इंडिगो का विमान अपने निर्धारित समय से दस मिनट की देरी पर 8.55 बजे जम्मू एयरपोर्ट पर उतारा।

उसके बाद आसमान में धुंध ज्यादा छाने से एयरपोर्ट पर दृश्यता कम होने लगी। ऐसे में एयरपोर्ट पर विमानों को उतारने में जोखिम को देखते हुए लेह से आने वाला एयर इंडिया का सुबह 9.40 बजे आने वाला विमान जम्मू नहीं आया।

● स्वामी नारायण मंदिर के 200वें वर्षगांठ कार्यक्रम में पीएम मोदी बोले

कुछ लोग देश को टुकड़ों में बांटना चाहते हैं, हमें मिलकर उन्हें रोकना है

अहमदाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को स्वामी नारायण मंदिर के 200वें वर्षगांठ कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने कहा- कुछ लोग समाज को जाति, धर्म, भाषा, स्त्री-पुरुष, गांव-शहर में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। हमें मिलकर उन्हें रोकना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के वडताल धाम में आयोजित कार्यक्रम में कहा- हमारी विरासत के हजारों साल पुराने केंद्रों का गौरव लौट रहा है। जिसे सभी ने नष्ट मान लिया था वो प्रकट हो रहा है। पीएम ने काशी और केदारनाथ मंदिर का भी जिक्र किया। पीएम ने विदेशों में देश से चोरी हुई सैकड़ों साल पुरानी मूर्तियां वापस लाने की भी चर्चा की। मोदी ने अयोध्या का उदाहरण देते हुए कहा- 500 साल बाद एक सपने का पूरा होना, यानी 500 सालों तक कितनी ही पीढ़ियों ने उस सपने को जिया है। उसके लिए जूझते रहे हैं और जरूरत पड़ने पर बलिदान भी दिए हैं।

संत समाज वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा दे

प्रधानमंत्री ने संत समाज को स्थानीय लोगों के द्वारा बनाई गई चीजों को प्रमोट करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा- स्वामी नारायण संस्था के संत समाज को वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा- भारत के युवाओं की डिमांड पूरी दुनिया में है। भारत का युवा देश ही नहीं विश्व की जरूरतें पूरी करने तैयार है।

- **स्वामी नारायण ने हमारी पहचान को पुनर्जीवित किया-** पीएम ने कहा- भारत की विशेषता रही है जब भी मुश्किलें आई तब कोई न कोई, महर्षि, महात्मा अवतरित हुए हैं। भगवान स्वामी नारायण का आगमन भी उसी समय हुआ था जब देश सैकड़ों वर्ष की गुलामी के बाद कमजोर हो चुका था। तब भगवान स्वामी नारायण और अन्य संतों ने आध्यात्मिक ज्ञान दिया। साथ ही हमारे आत्मसम्मान को जगाया। हमारी पहचान को पुनर्जीवित किया।
- **महाकुंभ में विदेशियों को लेकर आए संत-** मोदी ने कहा- स्वामी नारायण मंदिर की शाखाएं भारत के अलावा विदेशों में भी हैं। मेरा सभी संतो से निवेदन है कि वे विदेशों में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ के बारे में लोगों को बताएं। उन्होंने विदेश की हर एक शाखा से कम-से-कम 100 लोगों को कुंभ दर्शन के लिए लाने की अपील की।
- **पीएम ने 200 रुपए का चांदी का सिक्का जारी किया-** गुजरात के खेड़ा जिले के वडताल में 7 से 15 नवंबर तक स्वामी नारायण मंदिर की 200वीं वर्षगांठ का उत्सव मनाया जा रहा है।

केंद्र सरकार ने इस मौके पर 200 रुपए के चांदी का सिक्का और स्मारक डाक टिकट जारी किया

सुप्रीम कोर्ट बोला-

दिल्ली में सालभर पटाखा बैन पर 25 से पहले फैसला लें

● कोई धर्म प्रदूषण फैलाने को बढ़ावा नहीं देता; दिल्ली सरकार को 25 नवंबर की डेडलाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली सरकार से कहा कि दिल्ली में सालभर पटाखा बैन पर 25 नवंबर से पहले फैसला लें। दिल्ली सरकार के वकील ने कोर्ट के सामने कहा था कि हम पटाखा बैन को पूरे साल लागू करने का फैसला सभी संबंधित विभागों से सलाह के बाद लेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस अभय ओक और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने दिल्ली पुलिस से कहा, दिल्ली पुलिस ने प्रतिबंधों को गंभीरता से लागू नहीं किया गया। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पटाखों पर बैन लगाने के लिए स्पेशल सेल बनाएं। दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह 25 नवंबर से पहले पटाखों पर स्थायी प्रतिबंध लगाने का फैसला करे।

साफ हवा में सांस लेना मौलिक अधिकार- सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा कि कोई भी धर्म ऐसी किसी गतिविधि को प्रोत्साहित नहीं करता है, जिससे प्रदूषण फैलता हो। अगर इस तरह से पटाखे जलाए जाते हैं, तो इससे नागरिकों के स्वास्थ्य के मौलिक अधिकार पर भी असर पड़ता है।

जस्टिस संजीव खन्ना देश के 51वें चीफ जस्टिस बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस संजीव खन्ना देश के 51वें चीफ जस्टिस बन गए हैं। सोमवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें शपथ दिलाई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया

डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को रिटायर्ड हो चुके हैं। गौरतलब है कि जस्टिस खन्ना का कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का होगा। 64 साल के जस्टिस खन्ना 13 मई 2025 को रिटायर होंगे। सुप्रीम कोर्ट जज के तौर पर जस्टिस खन्ना ने 65 फैसले लिखे हैं। इस दौरान वे करीब 275 बेंचों का हिस्सा रहे हैं।

10 हजार छात्रों का प्रदर्शन

पुलिस का लाठीचार्ज, भगदड़ जैसे हालात

दो दिन की बजाए परीक्षा एक दिन कराने की मांग

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में लोक सेवा आयोग कार्यालय (पीपीएससी) के सामने प्रदर्शन कर रहे कैंडीडेट्स को पुलिस ने लाठीचार्ज करके खदेड़ दिया। इस दौरान भगदड़ मचने से कई छात्र चोटिल हो गए। करीब 10 हजार छात्र अयोग के कार्यालय से थोड़ी दूर धरने पर बैठ गए हैं। नारे लगा रहे हैं कि बटेंगे नहीं। न्याय मिलने तक हटेंगे नहीं। सोमवार को यूपी पीसीएस और आरओ/एआरओ (रिव्यू और असिस्टेंट रिव्यू अफसर) परीक्षा के हजारों कैंडीडेट्स यूपी, एमपी, बिहार समेत कई राज्यों से आयोग कार्यालय का घेराव करने पहुंचे। प्रदर्शन पहले से ही तय होने के चलते पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था थी। आयोग से करीब 500 मीटर पहले ही पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी।

मणिपुर में सीआरपीएफ का बड़ा एक्शन, जिरीबाम में मुठभेड़ के दौरान 11 उग्रवादियों को किया ढेर; एक जवान घायल

नईदिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में सीआरपीएफ की बड़ी कार्रवाई देखने को मिली है। जानकारी के मुताबिक, सीआरपीएफ ने जिरीबाम में मुठभेड़ के दौरान 11 उग्रवादियों को मार गिराया है। वहीं इस मुठभेड़ में सीआरपीएफ के एक जवान के भी घायल होने की सूचना है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल तक एयरलिफ्ट किया गया है। सीआरपीएफ के सूत्रों के अनुसार, उग्रवादियों ने सीआरपीएफ की टीम पर हमला किया था।

घुसपैठिये की आदिवासी से शादी तो जमीन उसके नाम नहीं : अमित शाह

● चंपाई सोरेन ने घुसपैठ रोकने को बोला, हेमंत ने कुर्सी से उतार दिया

रांची (एजेंसी)। झारखंड विधानसभा के पहले चरण के प्रचार के अंतिम दिन सोमवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सरायकेला में चुनावी सभा की। उन्होंने एक बार फिर कांग्रेस के महाराष्ट्र में मुस्लिमों को आरक्षण देने के वादे का जिक्र किया। कहा कि हमारे रहते मुस्लिमों को कभी आरक्षण नहीं मिलेगा। हम आदिवासियों का हक छीनकर मुस्लिमों को नहीं देने देंगे। घुसपैठिये ने आदिवासी लड़की से शादी की तो जमीन उसके नाम नहीं होगी। अमित शाह ने कहा- नोट गिनने वाली मशीनें थक गई, लेकिन पैसा खत्म नहीं हुआ। 350 करोड़ रुपए मोदी सरकार ने झारखंड के लोगों के लिए भेजा था वो हेमंत सरकार खा गई। चंपाई सोरेन ने भ्रष्टाचार रोकने को कहा तो उनको अपमानित करके हटा दिया।

खड़गे बोले- 'बटेंगे तो कटेंगे' बोलना साधु का काम नहीं

ये कोई आतंकी बोल सकता है, कांग्रेस अध्यक्ष का यूपी सीएम योगी पर तंज

रांची (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को मोदी के 'एक हैं तो सेफ हैं' और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे, नारे की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ये खुद काट रहे, खुद बांट रहे हैं। दोनों पहले तय कर लें कि नारा कौन सा चलेगा।

योगी का नाम लिए बिना झारखंड के छतरपुर (पलामू) की रैली में कहा, वे कहते हैं बटेंगे तो कटेंगे। ये बोलना साधु का काम नहीं है। ये कोई आतंकी बोल सकता है, आप नहीं बोल सकते। कोई नाथ संप्रदाय का साधु ऐसी बात कर ही नहीं सकता। हम डरेंगे तो मरेंगे, हम डरने वाले नहीं है।उन्होंने कहा कि मोदी जी कहते हैं भगवान ने हमको आपकी सेवा के लिए भेजा है। ये कभी नहीं कहते कि हम मां-बाप के पेट से पैदा हुए हैं। इस पर संत तुकाराम बोलते हैं, नवसे कन्या पुत्र होती तो का करणे लागे पती यानी दुहाई मांगने से ही अगर बच्चे पैदा होते हैं तो शादी करने से क्या फायदा है।

श्रीनगर में आतंकी मुठभेड़ में फंसे दो ट्रैकर्स

100 नंबर पर सूचना दी, सेना ने फायरिंग रोककर बचाया; आतंकवादी भागे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में सेना और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ के बीच 2 ट्रैकर्स फंस गए। फायरिंग के बीच ट्रैकर्स ने 100 नंबर डायल करके पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद सेना ने गोलीबारी रोककर उन्हें बचाया।

30 दिन के लिए जेल से बाहर आए आसाराम

आयुर्वेदिक अस्पताल में इलाज करवाएगा, 11 साल में दूसरी बार पैरोल मिली

जोधपुर (एजेंसी)। रेप केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहा आसाराम जेल से बाहर आ गया है। जोधपुर हाईकोर्ट ने 7 नवंबर को आसाराम को इलाज के लिए 30 दिन की पैरोल दी थी। वह जोधपुर के भगत की कोठी स्थित निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में अपना इलाज करवाएगा। उसे रविवार रात एम्बुलेंस के जरिए लाया गया और अस्पताल में भर्ती करवाया। इस दौरान आसाराम को देखने के लिए अस्पताल के बाहर उसके समर्थकों की भीड़ जुट गई। हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश दिनेश मेहता और न्यायाधीश विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने आसाराम के इलाज के लिए अनुमति देने के आवेदन पर आदेश दिए थे। उसे 11 साल में दूसरी बार इलाज के लिए पैरोल मिली है। इससे पहले उसे अगस्त में 7 दिन की पैरोल मिली थी।

सीएम योगी बोले- भाजपा मतलब, विकास, सुरक्षा

बगल में यूपी है, वहां जो बहन-बेटियों को हाथ लगाता है उसका राम नाम सत्य हो जाता है

रांची (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को झारखंड में रैली करते हुए एक बार फिर 'एक रहेंगे, नेक रहेंगे' के नारे को दोहराया। उन्होंने यह बात 5 नवंबर की रैली में भी कही थी। गढ़वा जिले के भवनाथपुर विधानसभा में उन्होंने कहा- एक परिवार दिल्ली बैठता है तो एक परिवार पटना बैठता है। इन्होंने राज्य में लूट मचा रखा है। उन्होंने कहा- हेमंत सरकार ने मुस्लिमों को गुंडागर्दी की छूट दे रखी है। बगल में उत्तर प्रदेश है, जाकर वहां देख लीजिए। अगर कोई बहन-बेटी की इज्जत पर हाथ रखता है तो राम नाम सत्य का हो जाता है।

पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी की मिथुन चक्रवर्ती को धमकी

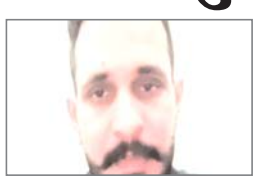

बोला- बकवास पर माफी मांगो वरना पछताना पड़ेगा; गैंगस्टर लॉरेंस का करीबी है

जालंधर (एजेंसी)। दुबई में बैठे पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने कोलकाता से भाजपा नेता और एक्टर मिथुन चक्रवर्ती को धमकी दी है। मिथुन चक्रवर्ती के एक सभा में दिए बयान पर शहजाद ने कहा कि मिथुन माफी मांग लें, वरना इस बकवास के लिए पछताना पड़ सकता है। भट्टी, लॉरेंस का करीबी है। उसे पाकिस्तानी डॉन फारुख खोखर का राइट हैंड माना जाता है। भट्टी ने 2 वीडियो जारी किए। पहले वीडियो में वह खुद मिथुन को धमका रहा है।

उपनगर ग्वालियर में प्रगति की यात्रा निरंतर जारी रहेगी - ऊर्जा मंत्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ग्वालियर में प्रगति की यात्रा इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगी। आमजन की सुविधा के लिये जहाँ जरूरत होगी, वहाँ विकास कार्य कराए जाएंगे। इसी कड़ी में वार्ड-13 की विभिन्न बस्तियों में 3 करोड़ 19 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों का भूमि पूजन किया गया है । यह बात ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने वार्ड-13 में विकास कार्यों के भूमि पूजन के अवसर पर कहीं। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि उपनगर ग्वालियर के प्रत्येक वार्ड में विकास कार्यों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जायेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सीवर समस्या के स्थायी समाधान के लिए नई सीवर लाइन बिछाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। सीवर लाइन चोक न हो इसके लिए मेन ट्रंक लाइन डाली जा रही है। साथ ही कहा कि उपनगर ग्वालियर में पार्कों के सौंदर्यीकरण के साथ ही पार्कों में ओपन जिम व बच्चों के लिए झूले एवं अन्य खेलकूद उपकरण लगाए जा रहे हैं। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि सिविल अस्पताल प्रतिष्ठित प्राइवेट अस्पताल से बेहतर सेवाएं दे रहा है। वहां की ओपीडी में हजारों की संख्या में मरीज स्वास्थ्य सेवाएँ ले रहे हैं। शीघ्र ही यहाँ पर सीटी स्कैन मशीन भी लगाई जाएगी, जिससे क्षेत्रीय नागरिकों को हजार बिस्तर अस्पताल या अन्य जगहों पर सीटी स्कैन के लिए नहीं जाना पड़ेगा।

हाथी शावक की इलाज के दौरान मृत्यु

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उमरिया जिले के बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के वन परिक्षेत्र पनपथा बफर के बीट खारीबड़ी टोला के कक्ष क्रमांक-आर.एफ.-179 पटपरहा हार में 8 नवम्बर को एक हाथी शावक झुण्ड से बिछड़कर अकेला अस्वस्थ एवं अचेत अवस्था में मिला था। उपचार के दौरान 10 नवम्बर को प्रात: 6:06 बजे शावक की मृत्यु हो गयी। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री एल. कृष्णमूर्ति ने बताया कि वन्य-प्राणी चिकित्सा दल द्वारा मौके पर पहुँचकर शावक का उपचार किया गया। उपचार के बाद हाथी शावक को परिक्षेत्र ताला के रामा हाथी कैम्प लाया गया। चिकित्सीय दल द्वारा कैम्पिंग कर लगातार उपचार किया गया। उपचार के दौरान ही उसकी मृत्यु हो गयी। एस.ओ.पी. के अनुसार पोस्टमार्टम कर वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हाथी शावक के शव का निपटान किया गया।

सुंदरकांड पाठ में शामिल छात्राओं को देरी के लिए वार्डन ने लिखवाया माफीनामा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सुंदरकांड पाठ में शामिल होने गई बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की छात्राओं को रात आठ बजे लौटने पर वार्डन ने छात्रावास में घुसने से रोक दिया था। छात्राओं से माफीनामा लिखवाया गया था। वार्डन की यह कारवाई उनके लिए अब मुसीबत बन गई है। अब सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने इसको धार्मिक कार्यक्रमों से रोकने की कोशिश बताकर हंगामा खड़ा कर दिया है। विश्वविद्यालय परिसर के बाहर बैठकर परिषद के कार्यकर्ता रघुपति राघव राजा राम गा रहे हैं। उनके साथ विवि के छात्र और छात्राएं भी शामिल हो गई है। छात्राओं का कहना है कि हम सभी को सुरक्षा का बहाना बनाकर धार्मिक आयोजनों में जाने से नहीं रोका जा सकता है, इसके लिए उन्होंने कुल कुलगुरु से वार्डन को हटाने की मांग की है।

ब्राह्मण जागृति एकता मंच का दीपावली मिलन समारोह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राजधानी में रविवार को विभिन्न समाजों ने अन्नकूट व दीपावली मिलन समारोह का आयोजन धूमधाम से किया। कई समाजों ने मंदिरों में अन्नकूट महोत्सव के तहत भगवान को छप्पन भोग भी अर्पित किया। समाजों ने इस दौरान वरिष्ठजनों और मेधावी बच्चों को सम्मानित भी किया। इस दौरान भोपाल ब्राह्मण जागृति एकता मंच ने मिसरोद स्थित के एम कॉन्वेंट स्कूल में प्रतिभाशाली बच्चों एवं जरूरतमंद बच्चों का सम्मान भी किया गया तथा बच्चों को स्कूल बैग वितरित किए। इस मौके पर अध्यक्ष अवधेश मिश्रा, संयोजक राकेश दीक्षित, सह संयोजक डॉ. केशव तिवारी, सलाहकार राजेश कुमार सिरोठिया, शिवकुमार पराशर, सत्यनारायण शर्मा, पुनीत रावत, राहुल तिवारी, जेपी शर्मा, गोविंद दुबे, एसएन शर्मा मौजूद रहे। विशेष अतिथि के रूप में विष्णु राजोरिया, रामबाबू शर्मा, गिरीश शर्मा सहित लगभग 700 से 800 की संख्या में विप्र बंधू उपस्थित रहे । कार्यक्रम की समाप्ति पर राजेश सिरोठिया, शिव कुमार पाराशर एवं डॉ. केशव तिवारी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राठौर संघ भोपाल का अन्नकूट महोत्सव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शहर में विभिन्न समाजों में अन्नकूट व दीपावली मिलन कार्यक्रमों का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में रविवार को कई समाजों ने दीपावली मिलन समारोह के साथ मंदिरों में अन्नकूट उत्सव भी धूमधाम से मनाया। इस दौरान राठौर संघ भोपाल द्वारा संकट हरण महादेव मन्दिर में बाबा का दिव्य श्रृंगार कर पूजा और आरती की गई। इसके बाद अन्नकूट महोत्सव के तहत भगवान को छप्पन भोग लगाया गया। शाम को भोजन प्रसादी व खाटू श्याम की भजन संध्या का आयोजन किया गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना के कामों को प्राथमिकता के साथ किया जायेगा पूरा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को बुनियादी सुविधाएँ आसानी से मिल सकें, इसके लिये राज्य सरकार ने अधोसंरचना से जुड़े कामों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि बिजली सुधार के लिये क्षेत्र में कराये जा रहे कार्यों में तेजी लायी जायेगी।

मंत्री श्री सिंह आज नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा क्षेत्र में विकास कार्यों के भूमि-पूजन और लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने ग्राम पंचायत बम्होरीकला में 38.54 लाख रुपये लागत के सामुदायिक भवन का भूमि-पूजन और ग्राम पंचायत कजरौटा में 7.80 लाख रुपये लागत के आँगनवाड़ी भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बिजली सुधार के लिये 3 सब-स्टेशन बनाने के प्रस्ताव दिये गये हैं। मंत्री श्री सिंह ने कहाकि क्षेत्र के प्रत्येक बड़े गाँव में सामुदायिक भवन का निर्माण कराया जायेगा।

उन्होंने एकीकृत माध्यमिक शाला में फर्नीचर के लिये 2 लाख रुपये, पेयजल व्यवस्था के लिये 50 हजार रुपये और सांस्कृतिक मंच निर्माण के लिये 50 हजार रुपये राशि देने की घोषणा की। इस मौके पर स्थानीय जन-प्रतिनिधि मौजूद थे।

इस बार देवउठनी एकादशी पर शादी का मुहूर्त नहीं

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पौराणिक मान्यता है कि चार महीने की योग निद्रा के बाद भगवान विष्णु देवउठनी एकादशी के दिन जागते हैं, इसलिए इसे देव प्रबोधिनी एकादशी भी कहते हैं। इस दिन से ही मांगलिक कार्य शुरू होते हैं। इस साल 12 नवंबर को देव उठनी एकादशी के त्योहार से शादियों का सीजन शुरू होगा। इस बार खास यह है कि 8 महीने में 40 विशेष शुभ मुहूर्त हैं लेकिन देवउठनी एकादशी और 2 फरवरी को बसंत पंचमी पर्व पर शादी का एक भी मुहूर्त नहीं है। देव उठनी एकादशी, अक्षय तृतीया और बसंत पंचमी के दिन को लोग अबूझ मुहूर्त मानकर चलते हैं। इन तीनों दिन बिना मुहूर्त के ही हजारों शादियां होती हैं। इस बार 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी और 2 फरवरी बसंत पंचमी को शादी का कोई मुहूर्त नहीं बन रहा है। इस बार शादियां सिर्फ 40 मुहूर्त में ही हो सकेंगी। इस बार शादियां 16 नवंबर 2024 से शुरू होकर 8 जून 2025 तक शुभ मुहूर्त में हो सकेंगी। इसके बाद 12 जून से 8 जुलाई तक गुरु का तारा अस्त होने के चलते शादी के शुभ मुहूर्त नहीं हैं। इसके बाद अगले चार माह चातुर्मास में देवशयनी एकादशी लगने के चलते 6 जुलाई 2025 को शादियां बंद हो जाएंगी, फिर 2 नवंबर 2025 से शुरू होंगी। मुहूर्त चिंतामणि और धार्मिक ग्रंथों की मान्यता के अनुसार, यज्ञोपवीत के मुहूर्त सूर्य के उत्तरायण में विशेष रूप से माने जाते हैं। फिलहाल, सूर्य दक्षिणायन चल रहे हैं, इस दृष्टि से नवंबर-दिसंबर में यज्ञोपवीत और मुंडन के मुहूर्त नहीं हैं। 15 जनवरी के बाद यज्ञोपवीत और मुंडन के विशिष्ट मुहूर्त निकल सकेंगे। अक्षय तृतीया वाले दिन सिर्फ दोपहर में शादी का मुहूर्त है।

नर्मदापुरम रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव में जुटेंगे देशभर के उद्योगपति

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। फरवरी, 2025 में भोपाल में होने वाली ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट से पहले संभाग स्तर पर रीजनल इन्वेस्टर्स कान्क्लेव का क्रम पूरा हो जाएगा। सात दिसंबर को नर्मदापुरम में कान्क्लेव होगी, जिसमें देशभर के उद्योगपति जुटेंगे। इसके लिए आइटी, स्वास्थ्य, एजुकेशन, टूरिज्म, भारी उद्योग, एमएसएमई, लघु कुटीर उद्योग सहित सभी क्षेत्र के उद्योगपतियों को आमंत्रित किया गया है। प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री प्रतिनिधि मंडल के साथ इसी माह जर्मनी और इंग्लैंड जाएंगे। यह बतौर मुख्यमंत्री उनका पहला विदेश दौरा होगा।

उन्होंने मीडिया संदेश में बताया कि रीजनल इंडस्ट्रीज कान्क्लेव के माध्यम से प्रदेश में निवेश का माहौल बना है। उद्योग मित्र नीतियां तैयार की जा रही हैं तो ऐसे रोजगारों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिनमें रोजगार की अधिक संभावनाएं हैं। प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए नवंबर में विदेश का दौरा भी किया जाएगा। इसमें वहां के उद्योगपतियों को मध्य प्रदेश में उद्योग लगाने के लिए सरकार की नीतियों के साथ औद्योगिक वातावरण से अवगत कराकर आमंत्रित करेंगे। नर्मदापुरम में होने वाले कान्क्लेव से क्षेत्र के विकास को पंख लगेंगे।

राजधानी में पार्किंग विवाद, बढ़ती दरों के चलते ठेकेदार दिखा रहे हैं कम रुचि

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में पार्किंग विवाद और राजनीतिक दबाव के कारण स्थितियां जटिल होती जा रही हैं। हाल ही में नगर निगम द्वारा शहर की 42 पार्किंग में से सात के लिए टेंडर जारी किए गए थे, लेकिन महज दो पार्किंग के लिए ही ठेकेदारों ने रुचि दिखाई।

यह पार्किंग एमपी नगर क्षेत्र में स्थित हैं, जो विवादित क्षेत्र माना जाता है। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि इस बार पार्किंग की सालाना दरें ज्यादा रखी गई थीं, जिससे ठेकेदार टेंडर में शामिल नहीं हुए। पिछले दो महीनों से पार्किंग के मुद्दे पर विवाद जारी है।

निगम ने मुख्य शहर की पार्किंग को ठेके पर देने के लिए हाल में टेंडर खोले, लेकिन केवल दो पार्किंग के लिए ही प्रस्ताव आए। नगर निगम के अपर आयुक्त हर्षित तिवारी ने बताया कि शेष पार्किंग के लिए फिर से टेंडर जारी किए जाएंगे। परिषद की बैठक में मामला उठने के बाद अपर आयुक्त निधि सिंह ने अवैध पार्किंग शुल्क वसूली पर कार्रवाई करते हुए जोन 12 के जोनल अधिकारी मुकेश कैमिया को हटा दिया था। इसके साथ ही सभी पार्किंग में पीओएस मशीन से रसीद जारी करने का निर्देश भी दिया गया, परंतु शिकायतें बनी हुई हैं कि बिना रसीद शुल्क वसूली की जा रही है।

कक्षा-6 से 8 तक के स्कूलों में माह में कम से कम एक शनिवार को होगा बैगलेस-डे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में कक्षा-6 से 8 तक पढ़ने वाले बच्चों का समग्र विकास हो, इसके लिये बैगलेस-डे के दिन बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करने का निर्णय स्कूल शिक्षा विभाग ने लिया है। इस दिन बच्चों के बीच पढ़ाई के अलावा विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं व्यावहारिक गतिविधियाँ की जायेंगी। इस संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र ने जिला शिक्षाधिकारियों और जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश जारी किये हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में यह प्रावधान रखा गया है कि स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे 21वीं सदी के कौशल से परिचित हो सकें, इसके लिये कक्षा-6 से 8 तक के स्कूल के बच्चों के लिये प्रत्येक माह में न्यूनतम एक शनिवार को बस्ते-विहीन दिवस का आयोजन हो। इन दिवसों में विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल की जानकारी दी जाये। बैगलेस-डे के लिये शाला के प्राचार्य एवं शिक्षकों को चर्चा कर गतिविधियों का कैलेण्डर तैयार करने के लिये भी कहा गया है। गतिविधियों की जानकारी एचडी जिओ टैगी फोटोग्रॉफ'' राज्य शिक्षा केन्द्र के ई-मेल आईडी पर भेजने के लिये कहा गया है। बैगलेस-डे का उद्देश्य विद्यार्थियों को सफल, नवाचारी और जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करना है। इसी के साथ विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, साक्ष्य आधारित सोच और रचनात्मकता का विकास करना है। विद्यार्थियों में संवाद, विचार अभिव्यक्ति, स्वास्थ्य एवं पोषण, खेल सहयोग की भावना एवं नेतृत्व गुण के साथ भारतीय ज्ञान परम्परा और पर्यावरणीय चेतना का विकास करना प्रमुख है। राज्य शिक्षा केन्द्र ने बैगलेस-डे में होने वाली गतिविधियों के संबंध में भी दिशा-निर्देश जारी किये हैं। ऑर्ट और क्रॉफ्ट में बच्चों के बीच में ड्राइंग, पेंटिंग, मिट्टी के खिलौनों का निर्माण, मुखौटे, डॉल-मेकिंग और अनुपयोगी सामग्री से वस्तुओं का निर्माण प्रमुख है।

एमएसपी पर धान, ज्वार एवं बाजरा की उपार्जन नीति जारी-खाद्य मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार द्वारा समय - समय पर घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर औसत अच्छी गुणवत्ता की धान, ज्वार एवं बाजरा का उपार्जन किसानों से किया जाएगा। राज्य शासन ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा की उपार्जन नीति घोषित कर दी है। समर्थन मूल्य पर ज्वार एवं बाजरा की 22 नवम्बर और धान की खरीदी 2 दिसम्बर से की जायेगी।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश के समस्त कलेक्टर्स, नागरिक आपूर्ति निगम तथा वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के अफसरों को निर्देश दिए गए हैं कि उपार्जन नीति का अक्षरश: पालन सुनिश्चित कराएं, जिससे किसानों को लाभ पहुंचाने की सरकार की मंशा पूरी हो सके। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर उपार्जन कार्य से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाएगी। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि निर्धारित अवधि में उपार्जन किया जाएगा। उपार्जन मात्रा का निर्धारण विगत तीन वर्षों में धान, ज्वार एवं बाजरा की उपार्जन मात्रा में औसत वृद्धि तथा बोए गए रकबे के आधार पर किया जाएगा। समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा के उपार्जन के लिए मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज़ कार्पोरेशन नोडल एजेंसी होगी। इसके अलावा विभाग द्वारा केन्द्र एवं राज्य सरकार की अन्य एजेन्सी अथवा उनके द्वारा अधिकृत संस्था को भी उपार्जन एजेन्सी घोषित किया जा सकेगा। जबकि उपार्जित खाद्यान्न के भण्डारण एवं रखरखाव के लिए मध्यप्रदेश वेअरहाऊसिंग एवं लाजिस्टिक कार्पोरेशन नोडल राज्य समन्वयक एजेन्सी होगी। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि उपार्जन केन्द्र के स्थान का निर्धारण किसानों की सुविधा अनुसार किया जाएगा। उपार्जन केन्द्र प्राथमिकता से गोदाम/केप परिसर में स्थापित किए जाएंगे। गोदाम/केप उपलब्ध न होने पर समिति एवं अन्य स्तर पर उपार्जन केन्द्र स्थापित किए जा सकेंगे। जिले में उपार्जन केन्द्रों की संख्या का निर्धारण किसान पंजीयन, पंजीयन में दर्ज बोया गया रकबा एवं विगत वर्ष निर्धारित उपार्जन केन्द्रों के आधार पर राज्य उपार्जन समिति द्वारा किया जाएगा। उपार्जन कार्य सहकारी समितियां, बहुउद्देश्यीय प्राथमिक कृषि सहकारी संस्थाएँ, ब्लाक स्तरीय विपणन सहकारी संस्थाएँ, जिला थोक उपभोक्ता भण्डार, महिला स्व-सहायता समूह एवं क्लस्टर लेवल फेडरेशन, उपार्जन कार्य करने के लिए सहमति देने वाली अन्य संस्थाओं को दिया जा सकेगा। संस्थाओं की पात्रता का निर्धारण विभाग द्वारा किया जाएगा।

समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिये 46 प्रतिशत पुराने और 54 प्रतिशत नवीन जूट बारदाने उपयोग किये जायेंगे। बारदानों की व्यवस्था उपार्जन एजेंसी द्वारा की जायेगी। ज्वार एवं बाजरे का उपार्जन नवीन जूट बारदानों में किया जायेगा केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा धान, ज्वार एवं बाजरा के समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिये निर्धारित यूनिफार्म स्पेसिफिकेशन्स के अनुसार एवं समय-समय पर इसमें दी गई शिथिलता के अनुसार उपार्जन किया जायेगा। गुणवत्ता परीक्षण का दायित्व उपार्जन केन्द्र में उपार्जन करने वाली संस्था और भण्डारण स्थल पर उपार्जन एजेंसी का होगा।

अब सड़क पर जल्दी दौड़ेगी नई डायल-100, डीपीआर को मिली स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में जनता को पुलिस सहायता उपलब्ध कराने वाले डायल-100 वाहनों के संचालन के लिए नई एजेंसी के चयन की एक बाधा दूर हो गई है। इसके लिए बनाए गए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) को मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली परियोजना मूल्यांकन समिति से स्वीकृति मिल गई है। अब यह प्रस्ताव इसी माह कैबिनेट में लाने की तैयारी है। यहां से स्वीकृति मिली तो दिसंबर में निविदा प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। इसमें कोई बाधा नहीं आई तो मार्च-अप्रैल, 2025 तक नई कंपनी के हाथ में संचालन की जिम्मेदारी आ जाएगी। इसके साथ ही इस सेवा में कई बड़ी सुविधाएं भी मिलेंगी जो अभी नहीं हैं।

अभी प्रदेश में डायल-100 के एक हजार वाहन चल रहे हैं। नई कंपनी के आने पर पहले 1200 और इसके बाद चरणबद्ध तरीके से दो हजार वाहन किए जाएंगे। बता दें, वर्तमान संचालन कंपनी का कार्यकाल पांच वर्ष था जो वर्ष 2020 में ही पूरा हो गया है। नई कंपनी का चयन नहीं हो पाने के कारण बीते चार वर्ष से पुरानी कंपनी को सेवा विस्तार दिया जा रहा है। वाहन पुराने होने के कारण बार-बार खराब हो रहे हैं। घटनास्थल पर पहुंचने में भी समय लग रहा है।

इस वर्ष मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के निर्देश पर वर्ष 2021 से चल रही टेंडर प्रक्रिया को रद कर दिया गया था। टेंडर तब रद किया गया जब एक कंपनी का चयन भी हो गया था। बस, उसे शासन से संचालन की स्वीकृति मिलनी थी। इसके बाद लोकसभा चुनाव आ गया। मई, 2024 में पुलिस मुख्यालय की ओर से नए सिरे से डीपीआर तैयार कर स्वीकृति के लिए शासन को भेजी गई थी। गृह विभाग में इसके परीक्षण में तीन से चार माह लग गए। अब परियोजना मूल्यांकन समिति की स्वीकृति मिल पाई है।

अवैध रेत से भरा ट्रक पलटा, ड्राइवर की मौत

दो दिन तक शव रेत में दबा रहा, लोग बालू की चोरी करते रहे, परिजनों ने किया हंगामा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर में सोमवार को रेत से भरे पलटे ट्रक के नीचे ड्राइवर का शव मिला। शनिवार की देर रात सिटी कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम परा तिलवा तिराहा के पास अवैध बालू लदा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। जिसके बाद ट्रक दो दिनों से बालू सहित भरा पलटा पड़ा रहा। बीते दो रात से ड्राइवर बालू के नीचे दबा हुआ था और लोग बालू की चोरी कर रहे थे। इस मामले में ट्रक मालिक ने शनिवार को ही पुलिस को घटना की जानकारी दी थी, लेकिन पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया। सोमवार की सुबह ड्राइवर के परिजनों ने रोड पर जाम लगाया तो पुलिस ने मौके पर पहुंचकर 2 क्रेन मशीन की मदद से शव को बालू से बाहर निकलवाया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। वहीं, थाना पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुड़ गई है।

टायर फटने से पलटा था ट्रक: दरअसल, दो दिन पहले शनिवार की देर रात एक बिना नंबर का ट्रक अवैध बालू भरकर राजनगर से छतरपुर आ रहा था। बताया जा रहा है कि टायर फटने से ट्रक पलट गया। वहीं, स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस को सूचना होने के बाद भी 2 दिन तक बॉडी को ट्रक के नीचे से नहीं निकाला। जब नाराज लोगों ने सोमवार को रोड पर जाम लगाया, तब जाकर पुलिस प्रशासन ने बॉडी को बालू के अंदर से निकाला है।

ड्राइवर नीचे दबा रहा, लोग बालू चोरी करते रहे: जानकारी के अनुसार मृतक ड्राइवर रघु (32) पिता बालकिशुन निवासी ढढारी गांव का रहने वाला है। वह बालू का ट्रक चलाता था। शनिवार को वह बिना नंबर के ट्रक में बालू भरकर छतरपुर की ओर आ रहा था, तभी सिटी कोतवाली थाना अंतर्गत विक्रमपुर रोड पर शनिवार की देर रात ट्रक पलट गया और ड्राइवर की उसके नीचे दब जाने से मौत हो गई। वहीं, ड्राइवर 2 दिन तक बालू के नीचे दबा रहा और लोग बालू की चोरी करते रहे। सोमवार को भी जब लोग ट्रक से बालू चुरा रहे थे, तब लोगों ने नीचे दबे हुए एक व्यक्ति का शव देखा और पुलिस को जानकारी दी।

2 दिन पहले पुलिस को दी थी सूचना: शनिवार की रात को ट्रक के मालिक कमलेश पटेल ने डायल-100 कर पुलिस को घटना की सूचना दी थी। जिसमें बताया था कि उसका ट्रक बालू लेकर आ रहा था, तभी घटना के दौरान राजनगर रोड पर तिलवा गांव के पास पलट गया है। कमलेश ने आशंका जताई थी कि ड्राइवर रघु ट्रक के नीचे दबा हो सकता है। जानकारी देने के बाद भी पुलिस ने इसपर कोई एक्शन नहीं लिया।

परिजनों के हंगामे के बाद पहुंची पुलिस: मृतक के बड़े भाई कोमल यादव ने बताया कि वे आज सुबह 8 बजे सिटी कोतवाली थाने गया था। उसने पुलिस को शिकायत आवेदन देते हुए बताया कि हमारा भाई तीन दिन से ट्रक के नीचे दबा है उसे निकाल लीजिए, लेकिन पुलिस ने नहीं सुनी। जिसके बाद परिजनों ने रोड पर जाम लगाया। पुलिस ने समझाया इसके 2 घंटे बाद 1 बजे परिजनों ने जाम खोला। वहीं, थाना पुलिस ने दो क्रेन मशीनों की सहायता से बॉडी को बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। थाना पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

पुलिस का कहना है कि घटना की कोई जानकारी नहीं मिली थी, आज ही सुबह परिजन ने घटना की जानकारी दी है। एसपी आगम जैन ने बताया कि इस मामले में जांच पड़ताल की जा रही है। वहीं, ट्रक मालिक ने घटना की जानकारी डायल-100 पर दी है, इसकी मुझे जानकारी नहीं है। हालांकि, ट्रक मालिक ने डायल-100 को सूचना देने की बात कही है। साथ ही में एक ऑडियो भी शेयर किया है। जिसमें वह घटना की जानकारी दे रहा है।

परिवार ने थाने में की शिकायत

ड्रोन की दहशत से सदमे में परिवार, एसपी ने कहा- जांच की जा रही है

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले के कोतवाली थाना अंतर्गत आने वाले शर्मा कॉलोनी में इन दोनों एक ड्रोन की दहशत से परिवार सहमा हुआ है। जिसकी शिकायत बैढन थाने में की गई है। हालांकि, आज पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता ने कहा- मामले की अभी तक कोई पुख्ता प्रमाण नहीं मिले हैं। बहरहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

सिंगरौली पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता ने बताया कि शहर के शर्मा कॉलोनी में रहने वाले घनश्याम गुप्ता ने शिकायत की है, कि उनके घर से कुछ दूरी पर ड्रोन जैसा कुछ दिख रहा है और यह पिछले 5 दिनों से लगातार हो रहा है। कभी रात 10 बजे तो कभी रात 11 बजे, यहां तक देर रात में 1:00 बजे भी ड्रोन जैसा दिखाई देता है। लेकिन अभी इसके कुछ पुख्ता प्रमाण नहीं मिले हैं। शिकायत की जांच की जा रही है

वहीं पीड़ति घनश्याम गुप्ता ने बताया कि पिछले कई दिनों से उनके घर के ऊपर ड्रोन जैसा कुछ दिख रहा है और उसे लोहे के छर्रे भी गिराए जा रहे हैं। उनका पूरा परिवार दहशत में है, बताया गया कि पहली बार ड्रोन 3 नवंबर को इस परिवार के घर के आसपास देखा गया था। पहले दिन लोगों ने कुछ समझ ध्यान नहीं दिया। लेकिन उसके बाद जब लगातार रात में यह हरकत होती रही, तो उन्होंने थाने पर इसकी शिकायत की है। इसके अलावा गुप्ता परिवार ने यह भी बताया कि ड्रोन अक्सर उनके बाथरुम की खिड़की के आसपास मंडराता है।

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित

अभियान चलाकर समाधान में चयनित विषयों से संबंधित शिकायतें निराकृत करायें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने कहा कि सभी अधिकारी अभियान चलाकर समाधान ऑनलाइन में चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण कराया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि अन्य शिकायतों का भी निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करायें। अन अटेन्डेड तथा निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों की संख्या न्यूनतम होनी चाहिए। बजट के अभाव के कारण लंबित शिकायतों को छोड़कर शेष सभी शिकायतों का शतप्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करायें। कलेक्टर ने कहा कि ऐसे प्रकरण जिसमें राज्य स्तर से कार्यवाही अपेक्षित है, लगातार पत्राचार कर फॉलोअप करें।

कलेक्टर ने कहा कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को आयुष्मान योजना का लाभ मिलेगा। इस संबंध में जिले में व्यापक प्रचार-प्रसार करें तथा सभी पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाने की कार्यवाही तत्परता से पूर्ण करें। गत सप्ताह जिला चिकित्सालय में हुई घटना को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने संवेदनशील विषयों पर तत्परता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि ऐसे घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो। योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की उदासीनता या लापरवाही स्वीकार्य नहीं की जावेगी।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी सिहावल एसपी मिश्रा, चुरहट शैलेश द्विवेदी सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी के तीन खिलाड़ियों का हुआ ऑल इंडिया नेशनल इंटर यूनिवर्सिटी जूडो टूर्नामेंट में चयन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शहडोल जिले के शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर के अटल बिहारी ऑडिटोरियम में 7 से 8 नवंबर को आयोजित राज्य स्तरीय जूडो पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के सभी आठ संभागों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में रीवा संभाग की ओर से तीन छात्र एवं एक छात्रा का चयन संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी से हुआ जिसमें बालक वर्ग में 66 किलोग्राम में प्रियंचल कांत सिंह चौहान कांस्य पदक, शिवम सिंह चौहान(-100) किलोग्राम में स्वर्ण पदक व गौरव रैकवार (100) किलोग्राम में रजत पदक और महिला वर्ग में 63 किलोग्राम में आयुषी मिश्रा को स्वर्ण पदक मिला। इस प्रतियोगिता में संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय के खिलाड़ी स्वर्ण पदक विजेता शिवम सिंह चौहान एवं आयुषी मिश्रा तथा रजत पदक विजेता गौरव रैकवार का ऑल इंडिया नेशनल इंटर यूनिवर्सिटी जूडो टूर्नामेंट में चयन हुआ। इन सभी खिलाड़ियों को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी.के. सिंह, क्रीडाधिकारी डॉ रविंद्र नाथ सिंह व महाविद्यालय परिवार ने बधाई और शुभकामनाएं दी।

कलेक्टर ने लिया एक्शन, खाद्यान्न वितरण में लापरवाही विक्रेता पर एफआईआर

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पन्ना कलेक्टर सुरेश कुमार ने खाद्यान्न वितरण में लापरवाही और अनियमितता करने वाले शासकीय उचित मूल्य की दुकान के विक्रेता के खिलाफ की कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जिसके बाद चौपरा गांव के सेल्समैन पर एफआईआर दर्ज की गई है। पन्ना जिला कलेक्टर के निर्देश पर शाहनगर विकासखंड अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य दुकान चौपरा के विक्रेता आदित्य त्रिपाठी के विरुद्ध शाहनगर थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई है। विक्रेता पर पात्र हितग्राहियों को राशन वितरण में लापरवाही बरतने के आरोप थे।

जिला दण्डाधिकारी ने रीवा-सीधी-सिंगरौली न्यू रेल लाइन परियोजना के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश किया जारी

प्रतिबंधित क्षेत्र की भूमियों में अनाधिकृत प्रवेश एवं अतिक्रमण पर होगी दण्डात्मक कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (1) के तहत जिला सीधी अंतर्गत रीवा-सीधी-सिंगरौली न्यू रेल लाइन परियोजना हेतु ऐसी भूमियां जिनका भू-अर्जन व मुआवजा भुगतान किया जा चुका है तथा रेलवे विभाग को भूमि हस्तांतरण किया जा चुका है, को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर निषेधाज्ञा प्रसारित की गई है। उक्त परियोजना से संबंधित अधिकारी/कर्मचारियों एवं मशीनों के अतिरिक्त अन्य कोई प्रतिबंधित क्षेत्र की भूमियों का किसी भी रूप में उपयोग नहीं करेगा, न ही अनाधिकृत रूप से प्रवेश करेगा तथा अतिक्रमण नहीं करेगा।

यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163(2) के अन्तर्गत एक पक्षीय रूप से पारित किया गया है। आदेश का उल्लंघन करने की दशा में संबंधित के विरुद्ध भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा- 85 के तहत दण्डनीय होगा।

उल्लेखनीय है कि रीवा-सीधी-सिंगरौली न्यू रेल लाइन परियोजना अंतर्गत जिला सीधी के विभिन्न ग्रामों की भूमियों का भू-अर्जन किया जाकर संबंधित भूमि स्वामियों को उनका मुआवजा का भुगतान पश्चात अर्जित भूमियों को रेलवे विभाग को हस्तांतरित कर दिया गया है। रेलवे विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा दी गई जानकारी अनुसार अधिग्रहित भूमि का मुआवजा भुगतान प्राप्त करने के पश्चात भी कई स्थानों पर लोगो द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण कर उक्त परियोजना से संबंधित संचालित कार्य को प्रभावित किया जा रहा है, जिससे संबंधित अधिकारी/कर्मचारियों को उक्त परियोजना से संबंधित कार्य को करने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उक्त परियोजना जिले के विकास के दृष्टिकोण से अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। उक्त को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है।

आदेश के प्रचार-प्रसार हेतु जन संपर्क विभाग को निर्देशित किया गया है कि जनसामान्य को आदेश सूचना से समाचार पत्रों/इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से अवगत करावें। सम्बन्धित राजस्व अधिकारी/थाना प्रभारी/नगरीय व ग्रामीण निकायों के सक्षम अधिकारी अपने-अपने कार्यालयों के सूचना पटल पर यह आदेश प्रदर्शित कर सामान्य जन एवं संबंधितों को आदेश की जानकारी प्रदान करें।

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष ने की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा

योजनाओं तक नागरिकों की पहुंच सुनिश्चित करने चलाएं जागरूकता अभियान : डॉ. कुसमरिया

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। म.प्र. राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ रामकृष्ण कुसमरिया द्वारा सीधी जिले में चल रहे पिछड़ा वर्ग कल्याण की योजनाओं तथा कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। डॉ कुसमरिया ने कहा कि पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा जन हितैषी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इन सभी योजनाओं एवं कार्यक्रमों तक नागरिकों की पहुंच सुनिश्चित करने तथा अधिकाधिक लाभान्वित करने के लिए जिले में जनजागरूकता अभियान चलाएं। योजनाओं तथा पात्रता की शर्तों के प्रचार-प्रसार से लोग स्वयं आगे आकर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

डॉ कुसमरिया ने शिक्षा तथा रोजगार से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए हैं। उन्होने कहा कि शिक्षा ही विकास की धुरी है। पिछड़ा वर्ग के छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक स्तर पर छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। प्री-मेट्रिक, पोस्टमेट्रिक छात्रवृत्ति के साथ-साथ विदेशों में अध्ययन के लिए भी छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। जानकारी के अभाव में लोग योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। उन्होने निर्देशित किया है कि शत-प्रतिशत छात्रों को पात्रतानुसार छात्रवृत्ति प्रदान किया जाना सुनिश्चित करें जिससे उन्हें ज्यादा से ज्यादा आगे बढ़ने का मौका मिले। उन्होने सिविल सर्विसेज तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों को नियमानुसार प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के साथ सम्मान कार्यक्रम भी आयोजित करने के लिए कहा है। ऐसे कार्यक्रमों से अन्य छात्रों को भी कुछ करने की प्रेरणा मिलेगी। स्वरोजगार कार्यक्रमों एवं अन्य कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए डॉ कुसमरिया ने कहा कि पिछड़ा वर्ग के आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ विचार करें तथा जनसंख्या के अनुपात में ही उन्हें लाभान्वित करने की दिशा में पहल करें। जाति प्रमाण पत्र के आवेदनों पर तत्परता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होने विकासखण्ड स्तर पर छात्रावासों के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने सभी विभागों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए हैं। उन्होने विद्यालयीन छात्रों के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया है। कलेक्टर ने अध्यक्ष महोदय को आश्वस्त किया है कि निर्देशानुसार कार्यवाही की जावेगी।

सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग सुमन द्विवेदी ने विभागीय योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की। उन्होने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 3487 में से 874 छात्रों को पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति वितरित की गई है शेष प्रक्रियाधीन है। मेधावी छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत कक्षा 10वीं को दो तथा 12वीं के दो विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया है। राज्य लोकसेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 11 छात्रों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। वित्तीय वर्ष 2023724 में 03 हितग्राहियों को स्वरोजगार योजना से लाभान्वित किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ पी.एल. मिश्रा ने बताया कि जिले में 43872 छात्रों को प्री मेट्रिक छात्रवृत्ति तथा 10668 छात्रों को पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी चुरहट शेलेष द्विवेदी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

कलेक्टर ने ककरहटी में निरीक्षण किया

विकास कार्यों की जानकारी ली, स्कूल में छात्राओं से किया संवाद

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पन्ना कलेक्टर सुरेश कुमार ने सोमवार दोपहर ककरहटी क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों और विभागीय गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली। क्षेत्र में चल निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर ध्यान देकर काम कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने सकरिया-डिघौरा निर्माणाधीन स?क के बारे में जानकारी ली। लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री जे.पी. सोनकर और एसडीएम अजय मिश्रा से स?क निर्माण की प्रगति और गुणवत्ता के बारे में पूछा। इस दौरान स्थानीय निवासियों से भी नगर क्षेत्र में स?क की चौ?ई और अवैध अतिक्रमण हटाने के संबंध में चर्चा की।

इसके बाद उन्होंने सहायक आपूर्ति अधिकारी को शेष पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण में हो लापरवाही में सुधार करवाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने ककरहटी के शासकीय कन्या हाईस्कूल में शैक्षणिक गुणवत्ता के तहत संचालित ऑनलाइन क्लासेस का अवलोकन कर छात्राओं से संवाद भी किया।

इस दौरान नायब तहसीलदार कोमल सिंह एवं सीएमओ ओम त्रयम्बकेश्वर मिश्रा भी मौजूद रहे।

जोहिला नदी में तैरता मिला शव

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर में राजेंद्रग्राम थाना अंतर्गत सोमवार दोपहर एक युवक का शव जोहिला नदी में तैरते हुए मिला हैं। युवक का चेहरा पहचान में नहीं आ रहा था। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया हैं।

जानकारी के अनुसार, राजेंद्रग्राम के रहने वाले पत्रकार स्वर्गीय अनिल दुबे के पुत्र आशीष दुबे उम्र 18 वर्ष तीन दिनों पहले 8 नवंबर को अपने घर से लापता था। परिजनों ने युवक की गुम होने की रिपोर्ट 9 नवंबर को राजेंद्र ग्राम थाने में दर्ज कराई थी। आज दोपहर को युवक का शव जोहिला नदी में तैरते हुए दिखा। जिसकी सूचना नदी में नहा रहे लोगों ने पुलिस को दी।

बताया जा रहा है, मछली के खाने की वजह से युवक का चेहरा खराब हो चुका है। राजेंद्रग्राम थाना प्रभारी वीरेंद्र बरकडे ने बताया कि शव दो से तीन दिन पुराना है। मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला राजेंद्र ग्राम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया हैं। हत्या और आत्महत्या दोनों पहलुओं पर पुलिस जांच कर रही हैं।

दादा-दादी पर भी हो चुका है हमला: 4-5 नवंबर की दरमियानी रात अज्ञात नकाबपोश हमलावरों ने राजेंद्रग्राम के वरिष्ठ पत्रकार दंपती पर भी हमला किया था। यदुवंश दुबे और उनकी पत्नी पर धारदार हथियार से हमला किया गया था। जिससे उन्हें चोट आई थी। जिन्हें इलाज के लिए राजेंद्रग्राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अभी तक अज्ञात हमलावरों की पहचान नहीं हो पाई हैं। आज उनके बेटे स्वर्गीय अनिल दुबे के पुत्र आशीष दुबे का शव पानी में तैरते हुआ मिला है। ऐसे में परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं।

टाइम लिमिट बैठक में कलेक्टर का आदेश

नर्मदा मंदिर से रामघाट तक वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाएं

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर कलेक्टर ने सोमवार को नर्मदा सभागार में टाइम लिमिट की बैठक ली। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिले में 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के बन रहे आयुष्मान कार्ड की जनपद एवं नगर पालिका वार समीक्षा की। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले में एएनएम तथा अन्य संबंधित अधिकारी डोर टू डोर सर्वे कर शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनवाएं। उन्होंने कहा कि जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र में शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने तक अभियान चलाया जाए तथा प्राथमिकता के आधार पर बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं।

बैठक में कलेक्टर ने अमरकंटक के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देश दिए कि अमरकंटक में नर्मदा मंदिर प्रांगण, कपिलधारा, माई की बगिया एवं सोनमूड़ा में सतत साफ-सफाई की जाए।

विचार

देश कैसे बने अपराध मुक्त?

चुनाव संपन्न होने के बाद हर दल जो सरकार बनाता है या विपक्ष में होता है, जनता के हित में किए गए चुनावी वादों को साकार करने की बात पर जोर देता है। हाल ही में संपन्न हुए कुछ विधानसभा चुनावों और इससे पहले हुए लोकसभा के नतीजों से इस बात का स्पष्ट संकेत मिला है कि जनता नारों से बहकने वाली नहीं, उसे जिम्मेदार सरकार चाहिए। पिछले 75 वर्षों में हजारों अधिकारी जनता के पैसे पर अनेक प्रशिक्षण, अध्ययन व आदान-प्रदान कार्यक्रमों में दुनिया भर के देशों में जाते रहे हैं। पर वहां से क्या सीख कर आए, इसका देशवासियों को कुछ पता नहीं लगता। मुझे याद है 2009 में एक हवाई यात्रा के दौरान गुजरात के एक युवा आई.ए.एस. अधिकारी से मुलाकात हुई तो उसने बताया कि वह 6 हफ्ते के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद विदेश से लौटा है। प्रशिक्षण के बाद उसे अपने राज्य के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के सामने यह बताना है कि इन 6 हफ्तों में उसने जो कुछ सीखा, उसका लाभ उसके राज्य को कैसे मिल सकता है। मेरे लिए यह यह एक रोचक किन्तु प्रभावशाली सूचना थी, जिसका उल्लेख मैंने तब भी इस कॉलम में किया था। हम भारतीयों की एक आदत है कि हम विदेश की हर चीज की तारीफ करते हैं। वहां सड़कें अच्छी हैं। वहां बिजली कभी नहीं जाती। सफाई बहुत है। आम जीवन में भ्रष्टाचार नहीं है। सरकारी दफ्तरों में काम बड़े कायदे से होता है। आम आदमी की भी सुनी जाती है, वगैरह-वगैरह। मैं भी अक्सर विदेश दौरों पर जाता रहता हूं। मुझे भी हमेशा यही लगता है कि हमारे देशवासी कितने सहनशील हैं जो इतनी अव्यवस्थाओं के बीच भी अपनी जिन्दगी की गाड़ी खींच लेते हैं। पर मुझे पश्चिमी जगत की चमक-दमक प्रभावित नहीं करती, बल्कि उनकी फिजूल खर्ची देखकर चिंता होती है। पिछले हफ्ते जब मैं सिंगापुर गया तो जो बात सबसे ज्यादा प्रभावित की, वह थी, इस देश में कानून और व्यवस्था की स्थिति। वहां की आबादी में चीनी, मलय व तमिल मूल के ज्यादा नागरिक हैं, जिनसे कोई बहुत अनुशासित और परिपक्व आचरण की अपेक्षा नहीं की जा सकती। पर आश्चर्य की बात है कि सिंगापुर की सरकार ने कानून का पालन इतनी सख्ती से किया है कि वहां न तो कभी जेब कटती है, न किसी महिला से कभी छेडख़ानी होती है, न कोई चोरी होती है और न ही मार-पिटाई। बड़ी आसानी से कहा जा सकता है कि सिंगापुर में अपराध का ग्राफ शून्य के निकट है। एक आम टैक्सी वाला भी बात-बात में अपने देश के सख्त कानूनों का उल्लेख करना नहीं भूलता। वह आपको लगातार यह एहसास दिलाता है कि अगर आपने कानून तोड़ा तो आपकी खैर नहीं। आश्चर्य की बात यह है कि वहां बड़े से बड़े पद पर बैठा व्यक्ति भी कानून का उल्लंघन करके बच नहीं सकता।

दिग्गजों के लचर प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने किया क्लीन स्वीप, आस्ट्रेलिया दौरे पर क्या होगा हाल?

आदर्श प्रकाश सिंह

इससे शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता। क्रिकेट इतिहास का एक बुरा दौर अभी-अभी बीता है। भारतीय टीम ने घरेलू मैदान पर जैसा दयनीय प्रदर्शन किया है उसे लोग जल्द भुलाना चाहेंगे। मगर, कुछ कड़वी यादें ऐसी होती हैं जिसे भुला पाना आसान नहीं होता। न्यूज़ीलैंड की टीम भारत में आकर 3-0 से हमारा सफाया कर देगी, यह भला किसने सोचा था? स्टार खिलाड़ियों से सुसज्जित टीम इंडिया ने बड़ी आसानी से घुटने टेक दिए। इतिहास के पन्नों में यह शर्मनाक पराजय लिखी जा चुकी है।

इसे अब बदला नहीं जा सकता। खेल जगत में मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में बहुत समय लगता है लेकिन गंवाने के लिए एक क्षण ही काफी है। भारतीय टीम पिछले एक दशक में नंबर वन टीम बन चुकी थी। आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में हम सबसे ऊपर चल रहे थे। पर, इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद नंबर दो पर आ गए हैं। पिछले 12 साल में टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत अपनी धरती पर अपराजेय था। इंग्लैंड की टीम ने 2012 में यहां आकर टीम इंडिया को टेस्ट सीरीज में शिकस्त दी थी। यही नहीं, न्यूजीलैंड ने कभी भारत में टेस्ट सीरीज नहीं जीती, मगर 2024 में उसका यह सपना भी साकार हो गया है। पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने बिल्कुल सही कहा है कि यह हार आसानी से हजम होने वाली नहीं है। यह पराजय आत्ममंथन की मांग करती है।% देश के क्रिकेट प्रेमियों में गुस्सा है तो विशेषज्ञ अपने स्तर से पराजय का विश्लेषण कर रहे हैं। दरअसल, ऐसा पहले कभी हुआ नहीं इसलिए पूरी टीम निशाने पर आ गई है। सबसे बड़ा कारण सीनियर खिलाड़ियों का असफल होना है। इन्होंने यदि जिम्मेदारी से अपनी भूमिका निभाई होती तो हालात इतने खराब नहीं होते। कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा ये चार खिलाड़ी सभी को अधिक दोषी लग रहे हैं। सवाल यह उठता है कि आपका इतना लंबा अनुभव किस काम का है? इनमें से किसी ने भी विकेट पर टिकने की जरूरत नहीं समझी। टेस्ट मैच में ही आपके धैर्य, तकनीक और कौशल की असली परीक्षा होती है। अपनी टीम घरेलू मैदान की परिस्थितियों से अच्छी तरह अवगत है। इसके बावजूद विपक्षी टीम के हमले का आप जवाब नहीं दे सके। लड़ कर हारते तो भी गनीमत थी लेकिन इन्होंने तो मैदान ही छोड़ दिया। चारो सीनियर खिलाड़ियों से संन्यास की मांग भी उठने लगी है। एक सवाल यह उठ रहा है कि घर में शर्मनाक पराजय के बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला कैसे करेगी। वहां की उछाल भरी पिचों पर तो रन बनाना काफी कठिन होता है।

स्पिन गेंदबाजी हमेशा से भारत की मुख्य ताकत रही है। यही कारण है कि देश में जब मैच होते हैं तो स्पिन के अनुकूल विकेट तैयार कराए जाते हैं। मेजबान टीम को अपने हिसाब से पिच तैयार करने की छूट होती है। सभी देश इसका फायदा उठाते हैं। यह कोई नई बात नहीं है। पिछले एक दशक में इसी ताकत के बल पर भारत ने विपक्षी टीमों को रौंदा है। यह भी कहा जाता है कि हमारे खिलाड़ी स्पिन गेंदबाजी को अच्छी तरह खेल लेते हैं। मगर, इस बार दांव उल्टा पड़ गया। न्यूजीलैंड के स्पिनर मिचेल सेंटनर ने पुणे में और एजाज पटेल ने मुंबई टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा ले डाली। जीत के लिए 147 रनों का लक्ष्य भी भारत के लिए पहाड़ जैसा हो गया। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली तो हमेशा स्पिनर के ही शिकार हुए। उनके मुकाबले भारत के स्पिनर विकेट के लिए संघर्ष करते दिखे। बीसीसीआई को इस बारे में एक नीति बनानी होगी कि घरेलू पिच किस तरह की बनाई जाए। मनमाफिक पिच बनाने का नतीजा हम सबके सामने है।

जून में टी-20 विश्व कप के बाद जब मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त हो गया तो गौतम गंभीर को उनकी जगह लाया गया। गंभीर की कोचिंग में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम ने इस साल का आईपीएल खिताब जीता था। इसलिए बीसीसीआई ने उन्हें भारतीय टीम को हेड कोच बना दिया। मगर, न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उनकी कोचिंग का कमाल नहीं दिखा। कप्तान और कोच मिलकर कई निर्णय करते हैं। मैच की रणनीति बनाने में कोच की अहम भूमिका होती है। लेकिन इस सीरीज में कई निर्णय गलत साबित हो गए। मुंबई टेस्ट में मोहम्मद सिराज को नाइट वाचमैन के रूप में भेजना एक गलत फैसला था। ग्यारहवें नंबर के खिलाड़ी को इस भूमिका में नहीं उतारना चाहिए था। उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर या अश्विन को भेजा जा सकता था। बीसीसीआई ने गंभीर को कुछ वे अधिकार भी दिए हैं जो पूर्व कोच रवि शास्त्री या राहुल द्रविड़ को नहीं दिए गए थे। बेंगलुरू में जब मौसम खराब था और बारिश की वजह से मैच का पहला दिन बर्बाद हो गया तो अगले दिन टास जीत कर बैटिंग का निर्णय भी बिल्कुल गलत साबित हो गया। खैर, यह कप्तान रोहित की भारी भूल थी जिसे उन्होंने स्वीकार भी किया। पूरी टीम पहली पारी में 46 रन पर लुढ़क गई। ऐसे हालात में कोच गौतम गंभीर ने कप्तान को उचित सलाह क्यों नहीं दी?

घरेलू मैदान पर भारतीय टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अब ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। इसी महीने टीम को वहां पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए जाना है। 22 नवंबर को पर्थ में पहला टेस्ट आरंभ हो जाएगा। हालांकि, पिछले दो दौरों में भारत ने टेस्ट सीरीज में कंगारू टीम को हराया है। पर, मौजूदा हालात को देखते हुए यह सीरीज आसान नहीं लग रही। तब हमारी टीम में चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे जैसे मजबूत खिलाड़ी थे। इस बार कोई ऐसा खिलाड़ी नहीं दिख रहा जो वहां की तेज पिचों पर टिक कर खेल सके। चूंकि, रोहित शर्मा और विराट कोहली खराब फार्म से गुजर रहे हैं इसलिए समस्या विकराल दिख रही है। अपनी धरती पर हर कोई शेर होता है। फिर ऑस्ट्रेलिया की टीम पिछली पराजय का बदला लेने को तैयार बैठी है। ऐसे में भारत के लिए यह दौरा बहुत चुनौतीपूर्ण होने वाला है।

टीम का कप्तान बदलने की सुगबुगाहट भी आरंभ हो गई है। मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा बढ़ती उम्र के शिकार हैं। उनका खुद का प्रदर्शन आलोचना के घेरे में है। टेस्ट टीम की कमान किसे सौंपी जाए यह एक पेचीदा सवाल है। उप कप्तान जसप्रीत बुमराह को कप्तानी का कोई अनुभव नहीं है। ऐसे में ऋषभ पंत के लिए आवाज उठ रही है जिन्होंने दो अर्ध शतकों के साथ न्यूजीलैंड के विरुद्ध सर्वाधिक रन बनाए हैं। आईपीएल में वह दिल्ली टीम की कप्तानी करते हैं। शुभमन गिल का नाम भी लिया जा रहा है। पर, उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है। जो भी हो आस्ट्रेलिया दौरा कई खिलाड़ियों का भविष्य तय करेगा। यदि वहां भी टीम का प्रदर्शन गड़बड़ रहा तो कप्तान बदलना अनिवार्य हो जाएगा।

देश की बजाय वोट बैंक के विकास की राजनीति

मुफ्त की रेवड़ियों की चुनावी राजनीति फिर चर्चा में है। इस पर प्रतिबंध के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दाखिल हुई है, तो महाराष्ट्र व झारखंड के विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त की रेवड़ियों की बारिश का मौसम है। चुनावी राज्यों में अक्सर 'त्यौहारी सेल' जैसा माहौल होता है, जहां ग्राहक को आर्ज़षित करने में दुकानदार कोई कसर नहीं छोड़ते। ग्राहकों को ऑफर का लाभ उठाने के लिए फिर भी अपनी जेब कुछ ढीली करनी पड़ती है, लेकिन राजनीति में तो करदाता की कमाई से राजनीतिक दल 'दानवीर' बन कर वोट बटोरते हैं। देश के विकास की कीमत पर अपने वोट बैंक का विकास करते हुए सत्ता कब्जाते हैं और हर कोई मूकदर्शक बना रहता है।

महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों में भी मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का यह बेलगाम खेल तब चल रहा है, जब देश के दो बड़े दलों और नेताओं में ऐसी गारंटियों पर वाकयुद्ध चला।

दलों की नाराजगी और नेताओं के विरोध से 'इंडिया गठबंधन' संकट में

चेतनादित्य आलोक

बागियों की भूमिकाओं, दल-बदलुओं की चालबाजियों तथा विभिन्न दलों के भीतर मची कलह-कुचाल के कारण झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव की चर्चा काफी गर्म है। वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 05 जनवरी 2025 को समाप्त होगा, लेकिन यहां की सभी 81 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। वैसे तो, राज्य में आईएनडीआईए (इंडिया) और एनडीए गठबंधनों के बीच सीधी टक्कर होने की बातें कही जाती हैं, लेकिन धरातल पर इस बार भी पूर्व की तरह मुख्य चुनावी लड़ाई मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में ही दिखाई पड़ रही है। हालांकि गौरतलब है कि दलों के बीच गठबंधन वाली एकता जैसी एनडीए खेमे में दिखाई पड़ रही है, वैसी एकता आएनडीआइए गठबंधन के खेमे में नहीं है। इसके कारण आएनडीआइए खेमे में मायूसी और चिंता का माहौल बना हुआ है, जबकि दूसरी ओर एनडीए खेमे में निश्चित तौर पर उत्साह और खुशी का माहौल बना हुआ है। इसके बावजूद दोनों गठबंधनों की ओर से अपनी-अपनी जीत के दावे बेहद जोर-शोर से किए जा रहे हैं। बहरहाल, इस बात का पता तो आगामी 23 नवंबर को ही पता चल पाएगा कि चुनाव में किसकी गाड़ी मंजिल तक पहुंचती है और किसकी गाड़ी बीच मजधार में ही फंसी रह जाती है। वैसे खुश होने की एक वजह तो है कि लंबे समय तक नक्सल-प्रभावित रहे झारखंड राज्य में पिछले कुछ वर्षों के दौरान नक्सली गतिविधियों पर लगाम लगाने में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है।

राज्य के विश्रामपुर विधानसभा सीट की बात करें तो पिछले दिनों यहां पर इंडिया गठबंधन के भीतर खुल कर विरोधी गतिविधियां देखी गईं। गौरतलब है कि सीटों के बंटवारे के बाद विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के कोटे में गई थी, जबकि आरजेडी ने विश्रामपुर विधानसभा से जैसे ही अपने उम्मीद्वार रामनरेश सिंह को खड़ा किया, लगे हाथ कांग्रेस ने भी अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए। कांग्रेस पार्टी यहीं नहीं रूकी, बल्कि उसने विश्रामपुर विधानसभा पर अपना दावा ठोंकते हुए अपने नेता सुधीर कुमार चंद्रवंशी को टिकट थमा दिया। स्थिति यहां तक तक पहुंच गई कि सुधीर कुमार चंद्रवंशी ने क्षेत्र से नामांकन करके अपने ही अलायंस के पार्टनर प्रत्याशी राजद के रामनरेश सिंह की मुश्किलें बढ़ा दीं। ऐसा माना जा रहा है कि कांग्रेस ने आरजेडी प्रत्याशी के विश्रामपुर सीट से चुनाव हारने की आशंका के कारण उसने इस सीट पर अपना प्रत्याशी उतारा है, क्योंकि यदि राजद प्रत्याशी बीजेपी के प्रत्याशी से चुनाव हार गए तो आईएनडीआईए गठबंधन को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। बता दें कि एक जमाने में विश्रामपुर विधानसभा सीट कांग्रेस का मजबूत किला माना जाता था। हालांकि, पिछले दो चुनावों में उसके प्रत्याशियों को लगातार हार का सामना भी करना पड़ा है, जिससे कांग्रेस का किला पूरी तरह दरकता हुआ दिखाई देने लगा था। वहीं, 2014 में पहली बार इस सीट पर बीजेपी का खाता खुला, जब राजद छोड़कर बीजेपी में आए रामचंद्र चंद्रवंशी ने चुनाव जीता था।

फिर उन्होंने 2019 में भी अपनी जीत को भली-भांति दोहराने का कार्य किया। यही कारण है

कि पार्टी ने इस बार उन्हें हैट्रिक लगाने की मंशा से मैदान में उतारा है। इसमें संदेह नहीं कि यदि आएनडीआइए गठबंधन की आपसी कलह समय रहते समाप्त नहीं हुई तो बीजेपी उम्मीद्वार की हैट्रिक लगनी सुनिश्चित है। इसी प्रकार, बीजेपी नेता रवींद्र राय के विद्रोही तेवर के कारण धनवार विधानसभा सीट से चुनावी मैदान में उतरे भाजपा के बाबूलाल मरांडी की चुनावी जंग शुरुआती दौर में फंसती दिखाई पड़ने लगी थी, लेकिन बीजेपी ने समय रहते रविन्द्र राय को झारखंड बीजेपी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर डैमेज कंट्रोल करने में सफलता पा ली, जिससे बाबूलाल मरांडी का संकट शीघ्र ही टल गया। दूसरी ओर, धनवार विधानसभा सीट पर भी एक बार फिर आएनडीआइए गठबंधन की ही गाड़ी फंसती नजर आने लगी, जब यहां से गठबंधन के दो दो उम्मीदवार आमने-सामने खड़े हो गए। दरअसल, सीट बंटवारे के बाद हिस्से में आई इस सीट पर जेएमएम के निजामुद्दीन अंसारी बाबूलाल मरांडी को चुनौती दे रहे थे, परंतु बाद में सीपीआई के राजकुमार यादव भी धनवार के चुनावी जंग में ताल ठोंकते नजर आने लगे। जाहिर है कि एक ही सीट से एक ही गठबंधन के दो-दो प्रत्याशियों के खड़े हो जाने से आएनडीआइए गठबंधन के वोटों में बिखराव होना तय है और यदि आएनडीआइए गठबंधन ने समय रहते डैमेज कंट्रोल नहीं किया तो बाबूलाल मरांडी की विजय बेहद आसान हो जाएगी।

ऐसे ही, झारखंड के छतरपुर विधानसभा सीट के भी आईएनडीआईए गठबंधन की आपसी कलह की भेंट चढ़ने के आसार दिखाई देने लगे हैं। गौरतलब है कि छतरपुर विधानसभा सीट आपसी बंटवारे में गठबंधन की ओर से कांग्रेस के हिस्से में गई थी, जिसके बाद यहां से कांग्रेस ने अपने जाने-माने नेता राधाकृष्ण किशोर को टिकट दिया। बता दें कि राधाकृष्ण किशोर कई दलों में भ्रमण करते रहने वाले नेता रहे हैं और फिलहाल वे कांग्रेस की ओर से चुनावी मैदान में हैं। इससे पहले भी छतरपुर विधानसभा सीट से ये पांच बार चुनाव जीत चुके हैं। इनमें से तीन बार कांग्रेस के कोटे से और एक बार जेडीयू तथा एक बार बीजेपी की ओर से इन्होंने विधायक बनने में सफलता पाई है। हालांकि इस बार इनकी गाड़ी आपसी विरोध और कलह-कुचाल के कीचड़ में फंसती हुई दिखाई दे रही है। दरअसल, कांग्रेस के कोटे से जैसे ही राधाकृष्ण किशोर ने अपना नामांकन पत्र भरा आईएनडीआईए गठबंधन के ही नाराज पार्टनर राजद ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए। नौबत यहां तक आ गई कि राजद ने यहां से विजय राम को प्रत्याशी बना डाला। अब यहां से छठी बार अपना भाग्य आजमा रहे कांगेसी उम्मीद्वार राधाकृष्ण किशोर को यह भय सताने लगा है कि कहीं उनकी चुनावी गाड़ी बेपटरी तो नहीं हो जाएगी।

सरस्वती शिशु मंदिर प्रबंधन की मनमानी, बच्चों की पढ़ाई ठप

साल भर से बिना वेतन के काम कर रहे टीचर, परेशान शिक्षकों ने शुरू किया आंदोलन

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में सरस्वती शिशु मंदिर प्रबंधन के रवैए से शिक्षक परेशान हैं। प्रबंधन की मनमानी ऐसी कि उन्हें साल भर से वेतन नहीं दिया जा रहा है। बच्चों का भविष्य खराब न हो इस कारण से शिक्षक बिना वेतन के ही काम करते रहे। लेकिन, लंबे समय से वेतन न मिलने की वजह से उनके परिवार की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। लिहाजा, शिक्षकों ने कलेक्टर और डीईओ से शिकायत कर काम बंद कर हड़ताल शुरू कर दिया है। मामला सरकंडा के अशोक नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर का है।

स्कूल की प्राचार्य गायत्री तिवारी ने बताया कि जब स्कूल की आर्थिक स्थिति ठीक थी, तब शिक्षक फंड के पैसे से स्कूल प्रबंधन ने जमीन खरीद ली। लेकिन, धीरे-धीरे कर स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या कम होने लगी, तब स्कूल की आर्थिक स्थिति बिगड़ने लगी। स्थिति यह है कि अब उन्हें एक साल का वेतन का भुगतान नहीं हो पाया है। इससे शिक्षकों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले में स्कूल प्रबंधन का पक्ष जानने के लिए व्यवस्थापक दिलीप कुमार शर्मा से संपर्क किया गया। लेकिन, उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

प्रबंधन ने नहीं दिया ध्यान, कलेक्टर और डीईओ से की शिकायतः इस पर शिक्षकों ने मिलकर प्रबंध समिति से कई बार वेतन की मांग की। लेकिन, इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। स्कूल में पढ़ाने वाले 10 शिक्षक हैं। सभी शिक्षक पहले अपनी समस्या लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे थे। रीना तिवारी और नीलिमा शर्मा ने बताया कि वेतन भुगतान को लेकर स्कूल प्रशासन को लिखित आवेदन भी दे चुके हैं। लेकिन स्कूल प्रबंधन की तरफ से उनकी समस्याओं की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शिक्षकों ने पहले कलेक्ट 5कर जान से मारने की धमकी दे रहा था। युवक शराब के नशे में था। मामला कोटा थाना क्षेत्र का है। दरअसल, कोटा के छेरकाबांधा स्थित वेलकम डिस्टली शराब फैक्ट्री पर प्रदूषण फैलाने का आरोप है। इससे पहले भी स्थानीय लोगों ने फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन किया था। लेकिन, हर बार की तरह केवल नोटिस देकर मामले को रफादफा कर दिया गया। फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी है।

सीईओ से मिलने पहुंचा युवक, धमकी देने का आरोपः ग्राम पिपरतराई निवासी पिंटू मरकाम वेलकम डिस्टली में शनिवार को सीईओ साजू त्रिलोचन से मिलने पहुंचा था। उसने शिकायत में कहा कि फैक्ट्री से लगातार प्रदूषण फैल रहा है। जिसका असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि युवक शराब के नशे में था। इधर, युवक पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए सीईओ ने पुलिस से शिकायत कर दी। उन्होंने बताया कि युवक खुद को माफिया लॉरेंस बिश्नोई का आदमी बताकर उसे धमकी दे रहा है। लॉरेंस का नाम सुनते ही पुलिस महकमा हरकत में आ गया। कोटा टीआई रोशन आहूजा टीम के साथ फैक्ट्री पहुंच गए और युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

जॉब छूटने और परिवार टूटने से परेशान था युवकः बताया जा रहा है कि, युवक पहले उसी फैक्ट्री में काम करता था। जिसे काम से निकाल दिया गया है। एक माह पहले ही पत्नी से तलाक हो गया है। इस वजह से उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। जिस कारण वो दिनभर नशे में रहता है।

हाइवा चोरी कर भाग रहे आरोपी गिरफ्तार

बीच रास्ते में खराब हो गई गाड़ी, इसी के चलते पकड़े गए

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। दुर्ग पुलिस ने ट्रक, हाइवा और डंपर जैसी कीमती गाड़ियां चोरी करने वाले गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने चन्दू लाल चन्द्राकर अस्पताल के पास स्थित पेट्रोल पंप से हाइवा चोरी किया था। लेकिन आगे जाकर हाइवा खराब हो गया। जिसके चलते आरोपी हाइवा को अधिक दूर नहीं ले जा सके और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर ने बताया कि लक्ष्मी नगर सुपेला निवासी अनिल कुमार राय ने थाने में हाइवा चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। राय ने बताया कि 31 अक्टूबर 2024 को उनके ड्राइवर ने हाइवा सीजी 8 वी 1058 को चन्दूलाल चन्द्राकर अस्पताल नेहरू नगर के बगल स्थित पेट्रोल पंप पर खड़ा किया था।

ड्राइवर रात में खाना खाने चला गया था। इसी दौरान किसी अज्ञात आरोपी ने हाइवा चोरी कर लिया। सुपेला पुलिस ने मामला दर्ज कर उच्चाधिकारियों को मामले की जानकारी दी। भिलाई नगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी के निर्देशन में सुपेला पुलिस ने ट्रक को खोजना शुरू किया।

पुलिस की टीम ने आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। फुटेज के आधार पर पुलिस ने पाया कि आरोपी हाईवा को चोरी करके बोरी थाना क्षेत्र की तरफ भागे हैं। इसी दौरान मुखबिर ने बताया कि चोरी हुआ हाइवा खराब हालत में ग्राम ढाबा के पास सड़क के किनारे लावारिश खड़ा है। जांच में पता चला कि हरीश यादव और हेमराज साहू ने हाईवा को चोरी किया है।

दोनो आरोपी बोरी क्षेत्र में ही रहने वाले वाले हैं। इस पर पुलिस ने दनिया बोरी वर्तमान निवासी पदुम नगर भिलाई 3 हरीश यादव और नवागांव बोरी निवासी हेमराज साहू को गिरफ्तार किया।वहीं हाइवा को जब्त कर सुपेला थाने ले आई। पूछताछ करने पर आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मकान मालिक का किया मर्डर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर के खम्हारडीह इलाके में हुए सनसनीखेज मर्डर मामले में पुलिस ने आरोपी को चंडीगढ़ से गिरफ्तार किया है। उधारी के पैसे को लेकर विवाद हुआ, तो आरोपी ने दिवाली से एक दिन पहले 72 साल के बुजुर्ग मकान मालिक की हत्या कर दी थी। उसने पाकिस्तान के कराची से अपनी पढ़ाई लिखाई की है। वो रायपुर काम की तलाश में आया था।

रायपुर शहर **राजस्थान पत्रिका** लखन पटले के मुताबिक, 30 अक्टूबर को देर रात करीब 12 बजे खम्हारडीह पुलिस को सूचना मिली कि अवंती विहार इलाके में दो मंजिला घर के ग्राउंड फ्लोर पर 2 बुजुर्ग पति-पत्नी लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़े हैं। घर के बंद दरवाजे से खून बह रहा था।

इसके बाद विधानसभा ष्टस**राजस्थान पत्रिका** केशरीनंदन,

अमित जोश के करीबी को पुलिस ने रायपुर से उठाया

कुख्यात बदमाश से खरीदा हथियार, पकड़ने गई पुलिस पर ताना कट्टा, लेकिन नहीं दबा ट्रिगर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। भिलाई एनकाउंटर में मारे गए कुख्यात बदमाश अमित जोश के करीबी राजा बैझड़ ने रायपुर पुलिस पर कट्टा तान दिया। पुलिस कुख्यात बदमाश बैझड़ को पकड़ने गई थी, तभी उसने ट्रिगर दबाने की कोशिश की, लेकिन फायर करने से पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया। इस दौरान पुलिस और बदमाश के बीच झड़प भी हुई है। बताया जा रहा है कि राजा ने अमित जोश से ही कट्टा खरीदा था। वह हत्या के मामले में जेल में बंद था। 3 महीने पहले ही बीमारी के नाम पर पैरोल लेकर जेल से बाहर आया। इसके बाद से वह फरारी काट रहा था। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है।

दीवार फांदकर घर में घुसे पुलिस के जवानः पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, थाना स्टॉफ को सोमवार की रात 12 बजे के दरम्यान जानकारी मिली कि फरार राजा बैझड़ मोतीनगर के एक घर पर छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही टिकरापारा थाना प्रभारी के साथ 5 लोगों की टीम लोकेशन पर पहुंची थी। घर की घेराबंदी कर पुलिस के जवान अंदर दाखिल हुए। इस बीच जैसे ही राजा को पुलिस के आने की भनक लगी। उसना अपना देशी कट्टा पुलिस के जवानों पर तान दिया। इसी बीच पीछे की तरफ से बाकी पुलिस वालों ने उसे दबोच लिया।

नहीं हो पाया फायरः बताया जा रहा है कि आरोपी ने बंदूक से फायरिंग की भी कोशिश की। लेकिन, ट्रिगर दबने से पहले ही पुलिस के जवानों ने उसका हाथ पकड़कर जमीन पर पटक दिया। इस दौरान झड़प में एक हेड कॉन्स्टेबल और एक कॉन्स्टेबल के हाथ और शरीर में कुछ जगह चोट भी आई है। हालांकि 10-15 मिनट बाद बदमाश को काबू कर गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पुलिसकर्मी बदमाश को हाथ और पैरों से पकड़ कर गाड़ी में ले जाते दिख रहे हैं। फिलहाल इस मामले में अब तक पुलिस का कोई ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है।

25 जुलाई को ही खत्म हो गई थी पैरोलः संतोष दुबे हत्या कांड का आरोपी राशिद अली उर्फ राजा बैझड़ 9 जुलाई को पैरोल पर जेल से छूटा था। वो लगभग तीन महीने से शहर में खुला घूम रहा था, जबकि उसका पैरोल 25 जुलाई को समाप्त हो गया था। उसने बीमारी के नाम से पैरोल ली थी।

'लेडी डॉन' के साथ मिलकर की थी हत्याः साल 2017 में 11 अगस्त को रायपुर में संतोष दुबे नामक व्यक्ति की हत्या की गई थी। इस मामले में कोर्ट ने राशिद अली उर्फ राजा बैझड़, पूजा सचदेव, मोनू सचदेव उर्फ मोंटू, रंजीत स्वामी उर्फ मोंटू चारों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

दरअसल, संतोष दुबे खुद निगरानी बदमाश था। उसका लेडी डॉन के नाम से चर्चित पूजा सचदेव से संबंध था। पुलिस की पूछताछ में पूजा ने बताया कि वह लगातार उसे फोन कर परेशान कर रहा था। घटना की रात उसने यह बात अपने भाई मोनू और प्रेमी राजा बैझड़ को बताई। उनके सामने ही पूजा ने संतोष को फोन कर घर में मिलने के लिए बुलाया। बातचीत के दौरान उन्होंने संतोष को पकड़ा और चाकू से हमला कर दिया।

महिलाओं को झांसा देकर लिया 6.43 लाख का लोन

किश्त जमा नहीं करने पर महिला समूह ने दर्ज कराई एफआईआर, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। सरगुजा में महिला स्वयं सहायता समूह के नाम पर 6.43 लाख रुपए का लोन लेकर किश्त नहीं जमा करने और धोखाधड़ी के आरोप में पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को ब्याज मिलने का झांसा देकर लोन निकलवाया था।

जानकारी के अनुसार, अन्नपूर्णा फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड स्वयं सहायता समूह की सदस्य आरती और अन्य ने जन चौपाल में लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई कि, संतोष उर्फ राजू सोनी (45) निवासी दरिमा ने उन्हें लोन की राशि पर ब्याज देने का झांसा दिया। संतोष सोनी के झांसे में आकर समूह के नाम स्वतंत्र माइक्रो फाईनेंस लिमिटेड से 6.43 लाख लोन लिया।

राशि लेकर नहीं जमा कर रहा था किश्तः संतोष सोनी ने महिलाओं को ब्याज देने और खुद किश्त जमा करने का वादा किया और पूरी राशि ले ली। उसने कुछ दिनों तक किश्त जमा भी की। बाद में किश्त जमा करना बंद कर दिया। संतोष सोनी ने महिलाओं को ब्याज भी नहीं दिया। फाइनेंस कंपनी पैसा जमा करने महिलाओं पर दबाव बना रहा है।

मामले की शिकायत पर लुंड्रा पुलिस ने संतोष सोनी के खिलाफ धारा 420 का अपराध दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी संतोष उर्फ राजू सोनी को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में पता चला कि आरोपी ने 04 लाख 55 हजार रुपए का किश्त भुगतान नहीं किया है। आरोपी ने उक्त रकम खर्च हो जाना बताया गया है।

लुंड्रा थाना प्रभारी शिशिरकांत सिंह ने बताया कि आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

चुनावी-चेकिंग के दौरान 27 लाख जब्त

कार सवार युवक ने बैग में रखे थे पैसे, दस्तावेज नहीं दिखाने पर केस आईटी को हैंडओवर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर दक्षिण उपचुनाव के दौरान चेकिंग में एक कार से 27 लाख रुपए कैश बरामद हुआ है। बैग में युवक पैसे रखा था। पुलिस ने जब युवक से पैसों को लेकर कागजात मांगे, तो उसके पास कोई डॉक्यूमेंट नहीं थे। इसके बाद पैसे को इनकम टैक्स विभाग को भेज दिया गया है। इस मामले में पुरानी बस्ती पुलिस ने बताया कि, सोमवार को रायपुर में उपचुनाव की वजह से पुरानी बस्ती पुलिस चेकिंग अभियान चला रही थी। ये चेकिंग बुद्धेश्वर चौक और पंकज गार्डन और भाठागांव के पास हो रही थी। इस दौरान कार में सवार एक युवक भाठागांव की तरफ आया। पुलिस ने गाड़ी रुकवाकर पूछताछ की।

बैग से निकले 500-500 के नोटः युवक के पास कार में एक बैग भी था, जब उसकी जांच की गई तो उसमें 27 लाख 10 हजार रुपए कैश थे। युवक से पैसों को लेकर कागजात मांगे गए तो वो दिखा नहीं पाया। जिसके बाद पुलिस ने रुपए को जब्त कर इनकम टैक्स विभाग को भेज दिया है।

2 दिन पहले 8 लाख पकड़ाए थेः शुक्रवार को पुरानी बस्ती और सीआरपीएफ की संयुक्त चुनावी चेकिंग में एक बाइक सवार के पास से 8 लाख रुपए कैश पकड़ाए थे। इस मामले में युवक के पास कोई भी वैध दस्तावेज नहीं थे। जिसके बाद पुलिस ने रुपये को जब्त कर जिला मॉनिटरिंग सेल को भेज दिया था।

आदिवासी कन्या आश्रम में छात्रा की मौत

रात में गाल में उठा था दर्द, अगली सुबह तोड़ा दम, जांच जारी

मीडिया ऑडीटर, सूरजपुर एजेंसी। सूरजपुर के एक आदिवासी कन्या आश्रम में नौ वर्षीय छात्रा की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक डेडरी स्थित कन्या आश्रम में कक्षा दूसरी में पढ़ने वाली नौ साल की छात्रा को गाल में दर्द की शिकायत उठी थी। जिसके बाद वार्डन ने उसके गाल पर पट्टी लगाई।

दर्द ज्यादा होने के चलते छात्रा ने रात को खाना भी नहीं किया। अगली सुबह जब बच्ची उठी नहीं तो छात्रा को अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां डाक्टरों ने छात्रा को मृत किया गया। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता मौत के कारण का पता चल पाएगा ।

विधायक यादव की न्यायिक रिमांड बढ़ी

14 नवंबर तक जेल में रहेंगे, पुलिस ने चालान पेश करने के लिए कोर्ट से अतिरिक्त वक्त मांगा

मीडिया ऑडीटर, बलौदाबाजार एजेंसी। बलौदाबाजार हिंसा मामले में जेल में बंद विधायक देवेन्द्र यादव की न्यायिक रिमांड आज खत्म होने के बाद उन्हें चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया जाएगा। कोर्ट ने विधायक यादव की रिमांड 14 नवंबर तक बढ़ा दी है। कोर्ट से पुलिस ने चालान पेश करने के लिए 14 नवंबर तक का समय मांगा है।

आपकों बता दें बलौदाबाजार हिंसा मामले में विधायक यादव 17 अगस्त यानी पिछले 86 दिन से रायपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। ये यादव की 13वीं पेशी थी। इससे पहले चार नवंबर को हुई पेशी में दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद देवेंद्र यादव की न्यायिक रिमांड बढ़ा दी गई थी।

हालांकि विधायाक देवेंद्र यादव के वकील अनादि शंकर मिश्रा ने इसका विरोध किया था। मिश्रा का पक्ष था कि पुलिस बिना किसी साक्ष्य के देवेंद्र यादव को गिरफ्तार करके उन्हें प्रताड़ित कर रही है। अभी तक पुलिस की तरफ से मामले में आरोप पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है। पुलिस ने इस केस में आरोप पत्र के लिए कोर्ट से अतिरिक्त समय की डिमांड की थी।

देवेंद्र पर भीड़ को उकसाने का आरोपः विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी बलौदाबाजार हिंसा मामले में हुई है। उन पर लोगों को भड़काने का आरोप है। इस मामले में बलौदाबाजार पुलिस ने 4 बार नोटिस जारी किया, लेकिन विधायक ने बयान देने जाने से मना कर दिया था।

उन्होंने कहा था कि पुलिस को बयान लेना है, तो उनके पास और लेकर जाए। हालांकि पूछताछ के लिए तीसरा नोटिस मिलने पर देवेंद्र यादव ने बलौदाबाजार जाकर पुलिस अधीक्षक से मुलाकात भी की थी।

वहीं बलौदाबाजार पुलिस के एक उच्चाधिकारी की माने तो पुलिस के पास देवेंद्र के खिलाफ गवाह हैं। कुछ लोगों के बयान हैं। इसके अलावा पुलिस के पास कुछ वीडियो भी हैं। इसको आधार बनाकर उन पर कार्रवाई की जा रही है।

भक्तों ने नंगे पांव निकाली निशान यात्रा

खाटू श्याम पंचमुखी हनुमान मंदिर में श्याम उत्सव शुरू, घोंघा बाबा मंदिर में भी होगा आयोजन

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में श्री खाटू श्याम पंचमुखी हनुमान मंदिर में तीन दिवसीय श्याम महोत्सव मनाया जा रहा है। रविवार को मध्यनगरीय चौक स्थित राधा-कृष्ण मंदिर से निशान यात्रा निकाली गई।

यात्रा में शामिल भक्त नंगे पांव निशान लेकर शहर भ्रमण करते हुए मंदिर पहुंचे। वहीं, घोंघा बाबा मंदिर परिसर में 11 नवंबर यानी सोमवार से 14वां श्री श्याम वार्षिकोत्सव शुरू हो रहा है। 3 दिवसीय महोत्सव को लेकर तैयारी चल रही है। मंदिर को आकर्षक लाइट से सजाया गया है। यह आयोजन 13 नवंबर तक चलेगा।

दरअसल, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को खाटू श्याम का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस तिथि को देवउठनी एकादशी और देव प्रबोधिनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। खाटू श्यामजी को भगवान कृष्ण का कलयुगी अवतार बताया गया है।

मान्यता है कि जो कोई भी खाटू श्याम महाराज के दर्शन करता है, उसकी सभी मनोकामना पूरी होती है। खाटू श्याम पांडव पुत्र भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र हैं और इनका असली नाम बर्बरीक है, जिनको खाटू श्याम के नाम से भी जाना जाता है।

निशान यात्रा के साथ शहर भ्रमण पर निकले भक्तः रविवार को निशान यात्रा लेकर भक्त शहर भ्रमण पर निकले। इस दौरान मारवाड़ी लाइन, गोल बाजार, सिटी कोतावाली चौक, तेलीपारा, पुराना बस स्टैंड, अग्रसेन चौक, सत्यम चौक होते हुए मसानगंज स्थित श्री खाटू श्याम पंचमुखी हनुमान मंदिर पहुंची। निशान यात्रा में रथ पर खाटू श्याम, पंचमुखी हनुमान और भगवान शिव की झांकी सजाई गई थी।

रथ फूलों से सजा था। पंचमुखी हनुमान मंदिर में खाटू श्याम को भक्तों ने मन्नतों के निशान अर्पित किया। इसके बाद बाबा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना हुई। भजन-कीर्तन हुआ। महाआरती की गई। इसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। निशाना यात्रा में सहयोग राकेश प्रजापति, राजू सोनी, अनिल लक्ष्रूका, राजू नारियलवाला, विजय नारियलवाला, संतोष वर्मा, सुनील अग्रवाल, रोशनी अग्रवाल, शारदा सिंघल, संजू गर्ग ने किया।

आज श्रीश्याम पाठ होगा, सवा मन फूलों से श्रृंगारः 11 नवंबर को श्रीश्याम पाठ होगा। प्रसिद्ध श्याम पाठक कथा वाचक पाठ करेंगे। 12 नवंबर को रात 8.30 बजे से भजन का आयोजन किया जाएगा। खाटू श्याम का कोलकाता से आए सवामन फूल से श्रृंगार किया जाएगा।

14वां श्रीश्याम वार्षिक महोत्सव आज से, सवा मनी का भोगः घोंघा बाबा मंदिर परिसर में 11 नवंबर से 14वां श्री श्याम वार्षिकोत्सव शुरू हो रहा है। 3 दिवसीय महोत्सव को लेकर तैयारी चल रही है। मंदिर परिसर को आकर्षक लाइट से सजाया गया है। 11 नवंबर को पहले दिन दोपहर 1 बजे श्रीश्याम पाठ होगा। पाठ भाटापारा के पलाश शर्मा करेंगे। 13 नवंबर सुबह 9 बजे सवामनी का भोग लगेगा। वहीं सुबह 10 बजे से भंडारा शुरू होगा।

कल निकलेगी निशान यात्रा, भजन प्रस्तुति देंगे गायकः दूसरे दिन 12 नवंबर को निशान यात्रा निकलेगी। निशान यात्रा सुबह 10.30 बजे श्रीराम मंदिर तिलक नगर से निकाली जाएगी। सैकड़ों भक्त शामिल होंगे। इनका स्वागत पुष्प वर्षा से होगा। भक्त निशान खाटू श्याम को अर्पित करेंगे। वहीं 12 नवंबर को की शाम 7.15 बजे से मंदिर में श्रीश्याम संकीर्तन होगा। इसे गायक खुशबू लाआ, भारती कुमावत और दिनेश संगम लोगों को भजनों से आनंदित करेंगे। वहीं बुंदू म्युजिकल ग्रुप भी प्रस्तुति देगा।

भारत-रूस के बीच पांत्सिर एयर डिफेंस सिस्टम के लिए समझौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पैंटिर एयर डिफेंस सिस्टम वर्सेटाइल मोबाइल प्लेटफॉर्म है, जो आर्मी बेस और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर को हवाई हमलों से बचाने के लिए डिजाइन किया गया है। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम को और मजबूत बनाने के लिए भारत डाइनैमिक्स लिमिटेड ने रूस के नई डील की है। ये डील एडवांस पांत्सिर एयर डिफेंस मिसाइल गन सिस्टम के लिए रूस सरकार के नियंत्रण वाली हथियार एक्सपोर्ट करने वाली कंपनी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के साथ की गई है। पांत्सिर एयर डिफेंस सिस्टम वर्सेटाइल मोबाइल प्लेटफॉर्म है, जो आर्मी बेस और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर को हवाई हमलों से बचाने के लिए डिजाइन किया गया है, इसमें एयरक्राफ्ट, ड्रोन और सटीक निर्देशित युद्ध सामग्री शामिल है। इसमें एडवांस रडार और ट्रैकिंग सिस्टम है। जो 36 चरू दूर और 15 किमी की ऊंचाई तक के टारगेट का पता लगाने और अटैक करने की सक्षम है। दोनों देशों के बीच ये इस डिफेंस सिस्टम के लिए समझौता गोवा में आयोजित 5वें भारत-रूस इंटर गवर्नमेंटल कमिशन सबग्रुप मीटिंग के दौरान हुआ।

श्रीनगर में आतंकी मुठभेड़ में फंसे दो ट्रैकर्स

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में सेना और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ के बीच 2 ट्रैकर्स फंस गए। फायरिंग के बीच ट्रैकर्स ने 100 नंबर डायल करके पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद सेना ने गोलीबारी रोककर उन्हें बचाया। घटना, गुरुवार (10 नवंबर) की है। सीआरपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना जबरवान के जंगलों में संयुक्त सर्च ऑपरेशन चला रही थी। इसी दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चला दीं। इसके बाद कई घंटों तक दोनों ओर से गोलीबारी हुई थी। हालांकि, आतंकी भागने में कामयाब रहे थे। मुठभेड़ के समय ट्रैकर्स जंगल में थे। सेना ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। इस घटना के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गाइडलाइन जारी कर कहा है कि जंगलों और पहाड़ों पर ट्रैकिंग के लिए जाने से पहले स्थानीय पुलिस को सूचना दें। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में एनकाउंटर कल से जारी, 1 जवान शहीद किश्तवाड़ में केशवान के जंगलों में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच गुरुवार से ही मुठभेड़ जारी है। बीते दिन सेकेंड पैरा एसएफ के 4 जवान घायल हुए थे। बाद में जूनियर कमीशन ऑफिसर राकेश कुमार शहीद हो गए जबकि 3 जवानों का इलाज जारी है। अधिकारियों ने बताया कि आतंकी कश्मीर टाइगर्स ग्रुप के हैं। इन्होंने ही 7 नवंबर को 2 विलेज गार्ड की हत्या की थी।

30 दिन के लिए जेल से बाहर आया आसाराम

जोधपुर (एजेंसी)। रेप केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहा आसाराम जेल से बाहर आ गया है। जोधपुर हाईकोर्ट ने 7 नवंबर को आसाराम को इलाज के लिए 30 दिन की पैरोल दी थी। वह जोधपुर के भगत की कोठी स्थित निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में अपना इलाज करवाएगा। उसे रविवार रात एम्बुलेंस के जरिए लाया गया और अस्पताल में भर्ती करवाया। इस दौरान आसाराम को देखने के लिए अस्पताल के बाहर उसके समर्थकों की भीड़ जुट गई।

मोदी बोले-कुछ लोग देश को टुकड़ों में बांटना चाहते हैं

अहमदाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को स्वामी नारायण मंदिर के 200वें वर्षगांठ कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने कहा- कुछ लोग समाज को जाति, धर्म, भाषा, स्त्री-पुरुष, गांव-शहर में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। हमें मिलकर उन्हें रोकना है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के वडताल धाम में आयोजित कार्यक्रम में कहा- हमारी विरासत के हजारों साल पुराने केंद्रों का गौरव लौट रहा है। जिसे सभी ने नष्ट मान लिया था वो प्रकट हो रहा है। पीएम ने काशी और केदारनाथ मंदिर का भी जिक्र किया। पीएम ने विदेशों में देश से चोरी हुई सैकड़ों साल पुरानी मूर्तियां वापस लाने की भी चर्चा की। मोदी ने अयोध्या का उदाहरण देते हुए कहा- 500 साल बाद एक सपने का पूरा होना, यानी 500 सालों तक कितनी ही पीढ़ियों ने उस सपने को जिया है। उसके लिए जूझते रहे हैं और जरूरत पड़ने पर बलिदान भी दिए हैं।

संत समाज वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा दे प्रधानमंत्री ने संत समाज को स्थानीय लोगों के द्वारा बनाई गई चीजों को प्रमोट करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा- स्वामी नारायण संस्था के संत समाज को वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा- भारत के युवाओं की

डिमांड पूरी दुनिया में है। भारत का युवा देश ही नहीं विश्व की जरूरतें पूरी करने तैयार है। स्वामी नारायण ने हमारी पहचान को पुनर्जीवित किया पीएम ने कहा- भारत की विशेषता रही है जब भी मुश्किलें आई तब कोई न कोई, महर्षि, महात्मा अवतरित हुए हैं। भगवान स्वामी नारायण का आगमन भी उसी समय हुआ था जब देश सैकड़ों वर्ष की गुलामी के बाद कमजोर हो चुका था। तब भगवान स्वामी नारायण और अन्य संतों ने आध्यात्मिक ज्ञान दिया। साथ ही हमारे आत्मसम्मान को जगाया। हमारी पहचान को पुनर्जीवित किया। महाकुंभ में विदेशियों को लेकर आए संत मोदी ने कहा- स्वामी नारायण मंदिर की शाखाएं भारत के अलावा विदेशों में भी हैं। मेरा सभी संतो से निवेदन है कि वे विदेशों में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ के बारे में लोगों को बताएं।

मणिपुर में सुरक्षाबलों ने 11 उग्रवादियों को मार गिराया

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के जिरिबाम जिले में सोमवार को सीआरपीएफ जवानों ने एनकाउंटर में 11 कुकी उग्रवादियों को मार गिराया। सूत्रों के मुताबिक, असम सीमा से लगे संदिग्ध कुकी उग्रवादियों की फायरिंग में 2 सीआरपीएफ जवान भी घायल हैं। इनमें एक की हालत गंभीर है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, कुकी उग्रवादियों ने दोपहर करीब 2.30 बजे बोरोबेकेरा के जकुराडोर करोंग में एक पुलिस स्टेशन पर हमला किया। इसके बाद यहां मौजूद सीआरपीएफ जवानों से उनकी मुठभेड़ हुई। सूत्रों ने बताया कि पुलिस स्टेशन के नजदीक ही मणिपुर हिंसा में विस्थापित लोगों के लिए एक राहत शिविर है। राहत शिविर में रह रहे लोग कुकी उग्रवादियों के निशाने पर थे। यहां इससे पहले भी कई बार हमला हो चुका है। इसके बाद यहां सीआरपीएफ की टीम तैनात की गई थी। सेना की वर्दी में थे उग्रवादी सूत्रों ने बताया कि उग्रवादी सैनिकों जैसी वर्दी पहने थे। इनके पास अत्याधुनिक हथियार और गोला-बारूद थे। मारे गए उग्रवादियों के शवों को बोरोबेक्रा पुलिस स्टेशन में रखा गया है। आज सुबह संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने इंफाल पूर्वी जिले में पहाड़ियों से भी गोलीबारी की थी। इसमें एक किसान घायल हो गया।

5 लोगों के किडनैपिंग की आशंका सूत्रों ने बताया कि पुलिस स्टेशन पर हमला करने के बाद उग्रवादी पुलिस स्टेशन से एक किलोमीटर दूर जकुराडोर करोंग में एक छोटी सी बस्ती की ओर भागे और घरों में आग लगाना शुरू कर दिया। इस दौरान वे सुरक्षाबलों पर गोलियां बरसाते रहे। इस दौरान 5 लोगों के लापता होने की खबर है। दावा है कि उग्रवादियों ने इन्हें अगवा कर लिया है।

इंफाल में हुई किसान की हत्या सोमवार को ही मणिपुर के याइंगंगपोकपी शांतिखोंगबन इलाके में खेतों में काम कर रहे एक किसान पर उग्रवादियों ने पहाड़ी से गोलीबारी की।

सुप्रीम कोर्ट बोला- सालभर पटाखे बैन करने पर फैसला लें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली सरकार से कहा कि दिल्ली में सालभर पटाखा बैन पर 25 नवंबर से पहले फैसला लें। दिल्ली सरकार के वकील ने कोर्ट के सामने कहा था कि हम पटाखा बैन को पूरे साल लागू करने का फैसला सभी संबंधित विभागों से सलाह के बाद लेंगे। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस अभय ओक और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने दिल्ली पुलिस से कहा, दिल्ली पुलिस ने प्रतिबंधों को गंभीरता से लागू नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली पुलिस कमिश्नर पटाखों पर बैन लगाने के लिए स्पेशल सेल बनाएं। कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह 25 नवंबर से पहले पटाखों पर स्थायी प्रतिबंध लगाने का फैसला करे। साफ हवा में सांस लेना मौलिक अधिकार- सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा कि कोई भी धर्म ऐसी किसी गतिविधि को प्रोत्साहित नहीं करता है, जिससे प्रदूषण फैलता हो। अगर इस तरह से पटाखे जलाए जाते हैं, तो इससे नागरिकों के स्वास्थ्य के मौलिक अधिकार पर भी असर पड़ता है। प्रदूषण मुक्त वातावरण में जीना मौलिक अधिकार है। दिल्ली पुलिस गंभीर नहीं- कोर्ट ने पटाखों पर बैन को लागू करने के तरीके पर असंतोष जताया।

जस्टिस संजीव खन्ना देश के 51वें चीफ जस्टिस बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस संजीव खन्ना देश के 51वें चीफ जस्टिस बन गए हैं। सोमवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें शपथ दिलाई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को रिटायर्ड हो चुके हैं। गौरतलब है कि जस्टिस खन्ना का कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का होगा। 64 साल के जस्टिस खन्ना 13 मई 2025 को रिटायर होंगे। सुप्रीम कोर्ट जज के तौर पर जस्टिस खन्ना ने 65 फैसले लिखे हैं। इस दौरान वे करीब 275 बेंचों का हिस्सा रहे हैं। जस्टिस संजीव के चाचा जस्टिस हंसराज खन्ना भी सुप्रीम कोर्ट में जज थे। हालांकि, इंदिरा सरकार के

इमरजेंसी का विरोध करने पर उन्हें सीनियर होने के बावजूद चीफ जस्टिस नहीं बनाया गया। उनकी जगह जस्टिस एमएच बेग को सीजेआई बना दिया गया। जस्टिस हंसराज ने इसका विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट जज से इस्तीफा दे दिया था। शपथ ग्रहण के बाद निवर्तमान ष्टछ्ठड्ड डीवाई चंद्रचूड़, सीजेआई संजीव खन्ना ने राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति ने फोटो सेशन करवाया।शपथ ग्रहण के बाद निवर्तमान ष्टछ्ठड्ड डीवाई चंद्रचूड़, ष्टछ्ठड्ड संजीव खन्ना ने राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति ने फोटो सेशन करवाया। पिता दिल्ली हाईकोर्ट, चाचा सुप्रीम कोर्ट के जज थे संजीव खन्ना की विरासत वकालत की रही है। उनके पिता देवराज खन्ना दिल्ली हाईकोर्ट के जज रहे हैं। वहीं चाचा हंसराज खन्ना सुप्रीम कोर्ट के मशहूर जज थे। उन्होंने इंदिरा सरकार के इमरजेंसी लगाने का विरोध किया था।

सिद्धू बोले-सीएम का सपना देखने वाले खत्म हुए

चंडीगढ़ (एजेंसी)। राजनीति से दूरी बनाकर चल रहे पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिद्धू ने कहा कि पंजाब में कई लोग मुख्यमंत्री बनने का सपना देखते थे, लेकिन वे लोग खत्म हो गए। आज मैं जहां कहीं भी जाता हूं तो सिद्धू साहब...सिद्धू साहब होती है। सिद्धू एक निजी चैनल से बात कर रहे थे। सिद्धू ने आगे कहा कि जेल में जाना मेरा बेहतर समय था। राजनीतिक कारणों के चलते मैं जेल में गया था। गांधी जी, भगत सिंह और पंडित जवाहर लाल नेहरू जेल गए। वह हमारे हीरो हैं। 323 धारा में किसी को 2 दिन में कैद नहीं होती। इस धारा में हवलदार मौके पर जमानत दे देता है।

शाह बोले-सरकार बनते ही झारखंड में घुसपैठियों की पहचान करेंगे

रांची (एजेंसी)। झारखंड विधानसभा के पहले चरण के प्रचार के अंतिम दिन सोमवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सरायकेला में चुनावी सभा की। उन्होंने एक बार फिर कांग्रेस के महाराष्ट्र में मुस्लिमों को आरक्षण देने के वादे का जिक्र किया। उन्होंने कहा- हमारे रहते मुस्लिमों को कभी आरक्षण नहीं मिलेगा। हम आदिवासियों का हक छीनकर मुस्लिमों को नहीं देने देंगे। घुसपैठिए ने आदिवासी लड़की से शादी की तो जमीन उसके नाम नहीं होगी। हम झारखंड में सरकार बनते

ही घुसपैठियों की पहचान के लिए कमेटी बनाएंगे। अमित शाह ने कहा- नोट गिनने वाली मशीनें थक गई, लेकिन पैसा खत्म नहीं हुआ। 350 करोड़ रुपए मोदी सरकार ने झारखंड के लोगों के लिए भेजा था वो हेमंत सरकार खा गई। चंपाई सोरेन ने भ्रष्टाचार रोकने को कहा तो उनको अपमानित करके हटा दिया। इन्होंने 1000 करोड़ का मनरेगा घोटाला किया, सैनिकों की जमीन हड़प ली। हजारों करोड़ों रुपए का शराब घोटाला किया। राहुल गांधी लोगों को करोड़पति बनाने के लिए काम काम करते हैं, मोदी जी लाखों महिलाओं को लखपति बनाने के लिए काम करते हैं।

खड़गे बोले-बंटेंगे तो कटेंगे' बोलना साधु का काम नहीं

रांची (एजेंसी)। योगी का नाम लिए बिना झारखंड के छतरपुर (पलामू) की रैली में कहा,वे कहते हैं बटेंगे तो कटेंगे। ये बोलना साधु का काम नहीं है। ये कोई आतंकी बोल सकता है, आप नहीं बोल सकते। कोई नाथ संप्रदाय का साधु ऐसी बात कर ही नहीं सकता। हम डरेंगे तो मरेंगे, हम डरने वाले नहीं है। उन्होंने कहा कि मोदी जी कहते हैं भगवान ने हमको

आपकी सेवा के लिए भेजा है। ये कभी नहीं कहते कि हम मां-बाप के पेट से पैदा हुए हैं। इस पर संत तुकाराम बोलते हैं, %नवसे कन्या पुत्र होती तो का करणे लागे पती यानी दुहाई मांगने से ही अगर बच्चे पैदा होते हैं तो शादी करने से क्या फायदा है। खड़गे ने कहा नरेंद्र मोदी और अमित शाह लोगों को डराते हैं। इन्होंने देश के गरीब, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक लोगों को अपने हाल पर छोड़ दिया है। हुकूमत करने वाले मोदी और शाह केवल अडानी-अंबानी की मदद करते हैं।

जयशंकर बोले- ट्रम्प की जीत से भारत चिंतित नहीं

मुंबई (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ट्रम्प की जीत के बाद भारत-अमेरिकी रिश्तों को लेकर पहली बार प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने रविवार को कहा कि ट्रम्प की जीत दुनिया के कई देश चिंतित हैं, लेकिन भारत ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने से चिंतित नहीं है। जयशंकर मुंबई में आदित्य बिड़ला ग्रुप स्कॉलरशिप प्रोग्राम के सिल्वर जुबली इवेंट में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा- ट्रम्प ने जीत के बाद विश्व के जिन 3 नेताओं से सबसे पहले

बात की, मोदी उनमें से एक थे। जयशंकर ने कहा कि पीएम मोदी के कई अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ मजबूत व्यक्तिगत संबंध रहे हैं। जब वे पहली बार वाशिंगटन डीसी गए, तब राष्ट्रपति ओबामा थे, फिर डोनाल्ड ट्रंप थे, फिर जो बाइडेन। उनके लिए यह बहुत नेचुरल है। वे वर्ल्ड लीडर्स से मजबूत व्यक्तिगत संबंध बना लेते हैं। इससे भारत को मदद मिलती है। 5 नवंबर को अमेरिका में हुई राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी से उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने डेमोक्रिट पार्टी की कैंडिडेट कमला हैरिस को हरा दिया है। ट्रम्प ने 50 राज्यों की 538 में से 312 सीटें जीती हैं। वे 2017 से 2021 तक अमेरिका के राष्ट्रपति रह चुके हैं।

बिहार-यूपी सीमा पर ट्रेन डिरेल करने की बड़ी साजिश नाकाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार-उत्तर प्रदेश सीमा पर एक बार फिर ट्रेन पटरी से उतारने की साजिश नाकाम कर दी गई है। इस घटना में रेलवे ट्रैक को जानबूझकर काटा गया था। सूचना के अनुसार, कोलकाता-गाजीपुर सिटी शब्दभेदी एक्सप्रेस को निशाना बनाने की कोशिश की थी, लेकिन लोको पायलट की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और इस मार्ग पर ट्रेन सेवाएं फिलहाल बाधित हैं। रेलवे ट्रैक कटे होने की सूचना मिलते ही जीआरपी और पुलिस प्रशासन के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। यह ट्रेन कोलकाता के हावड़ा स्टेशन से शाम 10-45 बजे चलती है और गाजीपुर सिटी स्टेशन पर दोपहर 12-25 बजे पहुंचती है। हाल ही में उत्तराखंड में भी इस तरह की घटना हुई थी, जहां बिलासपुर रोड रुद्रपुर सिटी स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर एक लोहे का खंभा रखा गया था। दून एक्सप्रेस के लोको पायलट ने समय रहते ब्रेक लगाकर हादसा टाल दिया था। इससे पहले उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में भी रेलवे ट्रैक पर लकड़ी का टुकड़ा रखकर ट्रेन को पटरी से उतारने की कोशिश की गई थी।

हमने साबित किया, सरकार न केवल स्कूल चला सकती है, बल्कि उन्हें शानदार भी बना सकती है : केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर देश के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आज़ाद इस देश में पैदा होने वाले हर बच्चे को अच्छी से अच्छी शिक्षा मुहैया कराने के पक्षधर

थे। उनका यह सपना देश की राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार ने पूरा करने काम किया है। हमारी सरकार ने दिल्ली में यह साबित किया है कि सरकार न केवल सरकारी स्कूल चला सकती है, बल्कि उन्हें शानदार भी बना सकती है। इसका परिणाम यह है कि आज दिल्ली में संपन्न लोग भी प्राइवेट स्कूलों से अपने बच्चों को निकलकर उनका सरकारी स्कूलों में एडमिशन करा रहे हैं।

राहुल ने आई वायनाड लिखी टीशर्ट पहनी

वायनाड (एजेंसी)। राहुल गांधी वायनाड में बहन प्रियंका की चुनावी रैली में शामिल हुए थे। रैली के दौरान प्रियंका ने राहुल को अपनी टीशर्ट दिखाने को कहा, जिसके बाद राहुल घूम गए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को केरल के वायनाड में अपनी बहन प्रियंका के लिए चुनावी रैली की। इस दौरान वे अपनी ट्रेडमार्क सफेद टीशर्ट में नजर आए, जिसके पीछे आई वायनाड लिखा था। प्रियंका के साथ रैली करते हुए उन्होंने वायनाड के लोगों को ये टीशर्ट दिखाई। राहुल ने कहा कि

वायनाड के लोगों ने उन्हें इतना स्नेह दिया कि उनकी पूरी राजनीति का दृष्टिकोण बदल गया। यहां आने के बाद उन्होंने राजनीति में %प्यार% शब्द का इस्तेमाल शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि आपसे मिले प्यार के प्रति आभार जताने के लिए मैंने आई लव वायनाड टीशर्ट पहनी है। राहुल गांधी के रायबरेली सीट चुनने के बाद वायनाड सीट से कांग्रेस ने प्रियंका को कैंडिडेट बनाया है। यह प्रियंका गांधी का पहला लोकसभा चुनाव होगा। उनका मुकाबला भाजपा की नाव्या हरिदास से होगा। वायनाड में 13 नवंबर को चुनाव है। रिजल्ट 23 नवंबर को आएगा।

1. भारत जोड़ो यात्रा से मेरी राजनीतिक सोच बदली राहुल ने कहा कि जब मैंने भारत जोड़ो यात्रा शुरू की थी

भारतीय मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने डब्ल्यूबीएफ का विश्व खिताब जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पेशेवर मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने केमैन आइलैंड में ब्रिटेन के कोनोर मैकिन्टोश को हराकर विश्व मुक्केबाजी महासंघ (डब्ल्यूबीएफ) का सुपर फेदरवेट विश्व खिताब जीता। पूर्व ओलंपिक रजत पदक विजेता रॉय जोन्स जूनियर से प्रशिक्षण लेने वाले 31 वर्षीय जांगड़ा ने अपने पेशेवर करियर में अब तक केवल एक हार का सामना किया है। ब्रिटिश मुक्केबाज के खिलाफ मुकाबले में अधिकतर राउंड में उनका पलड़ा भारी रहा। जांगड़ा ने शुरू से ही दमदार मुक्के जमाए और पूरे 10 राउंड में अपना दमखम बरकरार रखा। दूसरी तरफ ब्रिटिश मुक्केबाज को गति बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा। कॉनर ने वापसी की कोशिश की, लेकिन जांगड़ा ने अधिकतर राउंड में बढ़त बनाए रखी। जांगड़ा ने मीडिया विज्ञप्ति में कहा, ''यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत में से एक है। मैंने इसे हासिल करने के लिए वर्षों तक कड़ी मेहनत की। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं देश का नाम रोशन कर सका।'' हरियाणा के रहने वाले जांगड़ा ने 2021 में पेशेवर मुक्केबाजी में पदार्पण किया। उन्हें उम्मीद है कि यह खिताब अधिक भारतीय मुक्केबाजों को पेशेवर बनने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह खिताब देश के अन्य मुक्केबाजों के लिए रास्ता खोलेगा और वे पेशेवर मुक्केबाजी में अपना करियर बनाने का फैसला भी करेंगे।

हरमनप्रीत सिंह और पीआर श्रीजेश ने जीता प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरमनप्रीत और श्रीजेश दोनों को 8 नवंबर यानी शुक्रवार की रात ओमान में 49वीं एफआईएचकांग्रेस के दौरान यह सम्मान मिला। हरमनप्रीत ने शीर्ष पुरस्कार हासिल करने के लिए नीदरलैंड के जोएप डी मोल और थियरी ब्रिंकमैन, जर्मनी के हेंस मुलर और इंग्लैंड के जैक वालेस को पीछे छोड़ा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेरिस ओलंपिक में सर्वाधिक 10 गोल किए थे।

उन्होंने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में गोल करने के अलावा स्पेन के खिलाफ कांस्य पदक के मैच में भारत की तरफ से दोनों गोल किए। भारत ने यह मैच 2-1 से जीतकर ओलंपिक में लगातार दूसरी बार पोडियम स्थान हासिल किया। पेरिस ओलंपिक के बाद खेल से संन्यास लेनेवाले

श्रीजेश ने गोलकीपर वर्ग में शीर्ष पुरस्कार हासिल करने की दौड़ में नीदरलैंड के पिरमिन ब्लैक, स्पेन के लुइस कैलज़ाडो, जर्मनी के जीन पॉल डेनेबर्ग और अर्जेंटीना के टॉमस सैंटियागो को पीछे छोड़ा। हरमनप्रीत ने इससे पहले 2020-21 और 2021-22 में भी एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता था लेकिन तीसरा सम्मान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे उन्होंने ओलंपिक पदक जीतने के बाद हासिल किया है।

कप्तान के रूप में यह उनका पहला सम्मान है। हरमनप्रीत ने कहा,''सबसे पहले तो मैं इस सम्मान के लिए एफआईएच का आभार व्यक्त करता हूं। ओलंपिक में पदक जीतकर स्वदेश लौटना शानदार रहा जहां हमारा स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे।

स्टब्स की आक्रामक पारी से दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी20 में भारत को हराया

ग्केबरहा (एजेंसी)। ट्रिस्टन स्टब्स के नाबाद 47 रनों की सहायता से मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने यहां भारतीय क्रिकेट टीम को दूसरे टी20 में तीन विकेट से हराकर सीरीज में एक-एक से बराबरी हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने इस मैच में छह विकेट परर 124 रन बनाये। इसके बाद मेजबान टीम को जीत के लिए 125 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने सात विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारत की ओर से स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने चार ओवर में 17 रन देकर पांच विकेट लिए। इतनी शानदार गेंदबाजी के बाद मेजबान टीम स्टब्स की अच्छी बल्लेबाजी से जीत गयी। इस मैच में चौथे नंबर पर बल्लेबाज करने आए स्टब्स ने सात चौके लगाकर दक्षिण अफ्रीका को 19 ओवरों में ही जीत दिला दी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम का सातवां विकेट 86 रन पर गिर गया और भारतीय टीम की जीत की उम्मीदें बन रही थीं क्योंकि मेजबानों को 26 गेंद में 39 रन और चाहिए थे। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाज गेराल्ड कोएत्जी ने 19 रन नाबाद बनाकर स्टब्स का साथ दिया और टीम को 128/7 तक पहुंचाया। कोएत्जी ने 9 गेंद पर एक छक्का और दो चौके लगाए। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अंतिम तीन ओवरों में लय नहीं रख पाये जिससे मैच उसके हाथों से निकल गया।

इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए रयान रिकेल्टन और रीजा हेंड्रिक्स ने दो-दो चौके लगाए पर तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने रिकेल्टन को 13 रन पर पेवेलियन भेजे दिया।

कार्तिक की भूमिका निभाना चाहते हैं विक्रांत मेसी

मुंबई नई दिल्ली (एजेंसी)। अब अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक पर फिल्म बनने जा रही है। । इस फिल्म में कार्तिक की भूमिका अभिनेता विक्रांत मेसी निभाना चाहते हैं। मेसी अपने को स्थापित करने कार्तिक के खेल में किसे संघर्ष से प्रभावित हैं और इसे फिल्म के जरिये सभी के सामने लाना चाहते हैं। विक्रांत अपने किरदारों में गहराई और दमदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। विक्रांत के अनुसार कार्तिक का क्रिकेट करियर चुनौतियों से भरा रहा है, फिर भी उन्होंने भारत के लिए टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में खेलते हुए अपनी जगह बनाई। कार्तिक उस दौर में खेलते थे जब महेन्द्र सिंह धोनी विश्व के शीर्ष विकेटकीपर थे। कार्तिक का क्रिकेट करियर भी संघर्ष और प्रेरणा से भरा रहा है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के लिए 26 टेस्ट, 94 एकदिवसीय, और 60 टी20 मैच खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में 1025 रन, एकदिवसीय में 1752 रन और टी20 में 686 रन बनाने वाले कार्तिक को भले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा सफलता न मिली हो।

गौतम गंभीर ने रिकी पोंटिंग को दिया करारा जवाब, हेड कोच की प्रेस कॉन्फ्रेंस की बड़ी बातें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होने जा रहा है। इस सीरीज से पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ घर में 0-3 से हार झेलनी पड़ी थी। वहीं अब भारत की ऑस्ट्रेलिया के सामने अग्निपरीक्षा है। लेकिन उससे पहले टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, इस दौरान उन्होंने मीडिया के कई सवालों के जवाब दिए।

इस खराब प्रदर्शन के बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया की टेंशन बढ़ गई है, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी अपने घर में हाल ही में पाकिस्तान के हाथों 22 साल के लंबे इंतजार के बाद वनडे सीरीज में हार झेलनी पड़ी। ऐसे में अब दोनों टीमों की नजरें 22 नवंबर को पर्थ में खेले जाने वाले मैच में जीत हासिल करने पर होगी।

वहीं इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में गोतम गंभीर रोहित शर्मा और विराट कोहली के समर्थन में उतरे हैं। जहां कहा जा रहा है कि, रोहित पर्थ टेस्ट मिस कर सकते हैं, इसके पीछे उनका निजी कारण बताया जा रहा है।

हालांकि, इसको लेकर अभी तक कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं सामने आई है। वहीं गंभीर ने भी रोहित की उपलब्धता पर कुछ कंफर्म नहीं किया है।

लेकिन गंभीर ने ये जरूर कंफर्म किया है कि रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में जसप्रीत बुमराह टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे। वहीं उन्होंने ये भी कहा कि, यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल या अभिमन्यु ईश्वरन दोनों में से कोई ओपनिंग कर सकता है। राहुल काफी लंबे समय से नंबर 5 और 6 पर खेल रहे हैं। वहीं शुभमन गिल से ओपनिंग करवाने पर गंभीर ने कहा कि ये सारे फैसले मैच से पहले होंगे।

साथ ही रोहित शर्मा और विराट कोहली की खराब फॉर्म को लेकर ऑस्ट्रेलियाई पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को गंभीर ने करारा जवाब दिया हैं। गंभीर ने पोंटिंग को जवाब देते हुए कहा कि आपका भारतीय क्रिकेट से क्या लेना-देना है। उन्हें ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के बारे में सोचना चाहिए। रोहित-विराट अविश्वसनीय रूप से काफी मजबूत खिलाड़ी हैं। न्यूजीलैंड सीरीज में जो हुआ उसके बाद ड्रेसिंग रूम में बहुत भूख है।

साथ ही गंभीर ने नीतीश-हर्षित की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि, हर्षित रणजी ट्रॉफी में असम के खिलाफ शानदार खेला था। हमें लगा कि उनके पास पर्याप्त गेंदबाजी अनुभव है। हमने सबसे अच्छी टीम का चयन किया। अब आगे बढ़ना है और जरूरत होगी कि नीतीश रेड्डी हमारे लिए कुछ करें। हम सभी जानते हैं नीतीश रेड्डी कितने प्रभावशाली खिलाड़ी हैं।

हेड कोच गौतम गंभीर ने किया के राहुल का बचाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 नवंबर से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। फिलहाल, इस सीरीज के लिए भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया रवाना हो गई है। वहीं इससे पहले मुख्य कोच गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई सवालों के जवाब दिए। पर्थ में पहले टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा के खेलने पर संशय है। वह निजी कारणों के चलते पहले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। हालांकि, गंभीर ने कहा कि अभी वह इसे लेकर कुछ भी साफ नहीं कह सकते। टेस्ट मैच के आसपास इसका पता चलेगा। वहीं रोहित की अनुपस्थिति में कप्तानी कौन करेगा ये सबसे बड़ा सवाल है। गंभीर ने इसका साफ-साफ जवाब दिया कि उपकप्तान जसप्रीत बुमराह जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके बाद गौतम गंभीर से ओपनिंग को लेकर सवाल हुआ। उन्होंने केएल राहुल और अभिमन्यु ईश्वरन का नाम लिया और कहा कि टेस्ट मैच के करीब इसका फैसला होगा। कभी ओपनर तो कभी मिडिल ऑर्डर तो कभी विकेटकीपर के तौर पर भारतीय टीम में खेलने बावजूद प्लेइंग 11 में जगह पक्की न कर पाने वाले राहुल का गंभीर ने बचाव किया। उन्होंने कहा कि कितने देशों के पास राहुल जैसे खिलाड़ी हैं, ये ये सब भूमिका निभा सकते हैं।

गंभीर ने ओपनिंग को लेकर सवाल पर कहा कि, केएल राहुल भी मौजूद हैं। अभिमन्यु ईश्वरन भी मौजूद हैं। इसलिए अगर रोहित उपलब्ध नहीं होते हैं तो हम पहले टेस्ट मैच के करीब आकर फैसला करेंगे। ऐसा नहीं कि कोई विकल्प नहीं है। टीम में काफी सारे विकल्प हैं।

मध्यक्रम में जगह बनाने के लिए जद्दोजहद कर रहे केएल राहुल अब बैकअप ओपनर हो सकेत हैं। गंभीर ने कहा कि ये उनकी बहुमुखी प्रतिभा के कारण है। उन्होंने यही इस व्यक्ति की खूबी है। वह वास्तव में टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी कर सकता है। वह नंबर 3 पर बल्लेबाजी कर सकता है। और वह नंबर 6 पर भी बल्लेबाजी कर सकता है। इसलिए आपको इस तरह का काम करने के लिए काफी प्रतिभा की आवश्यतकता होती है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल की मदद से अल नासर की एएफसी चैंपियंस लीग में बड़ी जीत

रियाद (एजेंसी)। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल की मदद से अल नासर ने एएफसी चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के एलीट वर्ग में संयुक्त अरब अमीरात के क्लब और गत चैंपियन अल ऐन को 5-1 से हराकर 12 टीमों की तालिका में शीर्ष तीन में जगह बनाई। सऊदी अरब के क्लब अल नासर के चार मैचों में 10 अंक हैं तथा वह स्थानीय प्रतिद्वंद्वियों अल हिलाल और अल अहली से दो अंक पीछे हैं। इन दोनों ने अभी तक अपने चारों मैच जीते हैं। एंडरसन तालिस्का ने खेल शुरू होने के पांच मिनट बाद ही अल नासर की तरफ से पहला गोल किया। इसके बाद रोनाल्डो ने आधे घंटे के अंतराल के ठीक बाद इस सत्र में प्रतियोगिता में अपना दूसरा गोल किया। फैबियो कार्डोसो के आत्मघाती गोल से सऊदी अरब की टीम ने मध्यांतर तक 3-0 की बढ़त बना दी। वेस्ले और तालिस्का ने दूसरे हाफ में अल नासर के लिए गोल किए। इस बीच जापान के विसेल कोबे ने दक्षिण कोरिया के ग्वांगजू एफसी पर 2-0 से जीत से अपने ग्रुप में पहला स्थान हासिल कर लिया।

कोच के रिटायरमेंट पर भावुक हुए नीरज चोपड़ा, लिखा- जब भी थ्रो करता आपकी आवाज...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा के कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज ने संन्यास ले लिया है। नीरज चोपड़ा अपने कोच के संन्यास के बाद भावुक हो गए। नीरज के कोच उनका साथ छोड़कर जा रहे हैं। जिसके बाद नीरज ने एक पोस्ट के द्वारा अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। नीरज चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है जिसमें उनकी और कोच की तस्वीरें शामिल थी। इस पोस्ट के कैप्शन में नीरज ने लिखा कि, मैं ये जाने बिना लिख रहा हूं कि कहां से शुरू करूं। कोच, आप मेरे लिए सिर्फ एक गुरु से कहीं बढ़कर हैं। आपने जो कुछ भी सिखाया है उसने मुझे एक एथलीट और व्यक्ति के रूप में विकसित होने में मदद की है। आपने ये सुनिश्चित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है कि मैं हर प्रतियोगिता के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहूं। नीरज चोपड़ ने कहा कि कोच चोट के दौरान भी उनके साथ खड़े रहे। हर उतार-चढ़ाव के दौरान कोच नीरज के साथ रहे। उन्होंने आगे लिखा कि, आप स्टैंड में सबसे शांत लोगों में से एक थे लेकिन जब मैं थ्रो करता था तो आपके शब्द मेरे कानों में सबसे ज्यादा गूंजते थे।

मुझे आपके मजाक और हंसी की कमी खलेगी। लेकिन सबसे ज्यादा मैं एक टीम के रूप में हमें याद करूंगा। मेरी यात्रा का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद। मुझे अपनी यात्रा का बनाने के लिए धन्यवाद। जर्मनी के बार्टोनिट्ज के कार्यकाल के दौरान चोपड़ा ने काफी सफलता हासिल की। नीरज ने टोक्यो 2020 में ओलंपिक गोल्ड मेडल, 2022 में डायमंड लीग खिताब और 2023 में वर्ल्ड चैंपियनशिप जीते।

वहीं 2023 में उन्होंने एशियन गेम्स भी गोल्ड मेडल जीता।

लंबे समय बाद साक्षी मलिक ने क्यों उठाई बृजभूषण सिंह के खिलाफ आवाज?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक मेडलिस्ट साक्षी मलिक ने कुछ समय पहले ये बताकर सबको हैरान कर दिया था बीजेपी नेत बृजभूषण सिंह ने उनका यौन शोषण करने की कोशिश की थी। साक्षी ने अपनी किताब द विटनेस में 2012 की घटना के बारे में बताया। इसके बाद लगातार ये सवाल उठ रहे हैं कि ओलंपिक मेडलिस्ट पहलवान इतने सालों तक चुप क्यों रही है। साक्षी ने इसके पीछे की वजह इंटरव्यू में बताई। साक्षी ने हॉटरफ्लाई चैनल को दिए इंटरव्यू में बताया कि अगर वह तब कुछ कहतीं तो आज ओलंपिक मेडलिस्ट न होती। उन्होंने कहा कि, 2012 में मेरे साथ वह घटना हुई। मुझे बहुत समय लगा आवाज उठाने में। वह बहुत ताकतवर आदमी है। अभी भी आप देख रहे होंगे कि हम कितना लड़े हैं, 40 दिन सड़क पर सोए, तब जाकर उसपर एफआईआर हुई। अगर मैं उसी समय आवाज उठाती तो

मैं आज एक ओलंपिक मेडलिस्ट के तौर पर यहां नहीं बैठी होती। अगर मैं तभी आवाज उठाती तो वह मेरी आवाज दब जाती और वह मेरा करियर खत्म कर देता। साक्षी ने बताया कि, 2012 से 2023 तक का समय जैसे-तैसे निकला। मैं शायद आवाज उठाती भी नहीं लेकिन मैंने देखा कि ये चीजें अब भी चल रही हैं। मेरी जूनियर लड़कियां बताती थी कि दीदी इस टूर्नामेंट में ये हुआ, वह हुआ। तो हमें ऐसा लगा कि हम आवाज नहीं उठाएंगे तो कौन उठाएगा। उन्होंने कहा कि, मैं जहां भी जाती हूं इस बारे में जरूर बात करती हूं कि चुप मत बैठो। में भी 11 साल चुप रही। मेरे हालात कुछ और थे, मुझे करियर दिख रहा था। बात बोलने से ही बात बनेगी। चुप होने से कुछ नहीं होगा। साक्षी ने कहा कि ये जरूरी है कि शुरुआत से ही बच्चों को बताया जाए कि कैसे व्यवहार करना है।

समाधान आनलाइन के विषयों की शिकायतें संतुष्टिपूर्ण रूप से बंद कराये : कलेक्टर

समय सीमा प्रकरणों की बैठक में निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने प्रत्येक माह के आखिरी सोमवार को आयोजित होने वाले समाधान कार्यक्रम के विषय की संबंधित सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें संतुष्टिपूर्ण रूप से शीघ्रतापूर्वक बंद कराने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये हैं। सोमवार को संपन्न समय सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण की समीक्षा की। इस मौके पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, एसडीएम एपी द्विवेदी, सुधीर बेक, एलआर जांगडे, आरएन खरे, जीतेन्द्र वर्मा सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि गत सप्ताह में 1263 शिकायतें कम हुई है। लेकिन 12538 शिकायतें अभी भी लंबित है। इनमें राजस्व 2861, महिला बाल विकास 1445, ऊर्जा 1439, खाद्य 618 लंबित है। सतना जिला ग्रेडिंग में 18वें स्थान पर है। उन्होंने कहा कि अक्टूबर माह की 3618 शिकायतें शेष बची है। इनका निराकरण करें और विशेष रूप से ध्यान रखें कि अक्टूबर माह और चालू माह की कोई भी शिकायत फोर्स क्लोज नहीं की जाये। सीमांकन की 427 सीएम हेल्पलाइन लंबित है। फसल कटाई का सीजन चल रहा है। अभी खेत खाली होने पर अभियान स्वरूप इनका निराकरण करें। सीमांकन की सभी लंबित शिकायतें 15 दिवस में शून्य करें। अधीक्षक भू-अभिलेख जिला स्तर से सीमांकन के निराकरण की मानीटरिंग करेंगे। कलेक्टर ने कहा कि विभागों से सेवानिवृत्ति के रिक्त पदों की जानकारी कलेक्ट्रेट शाखा को उपलब्ध कराये ताकि अनुकम्पा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण किया जा सके। कलेक्टर ने 100 दिवस, 300 दिवस और 500 दिवस की लंबित शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने एक हजार दिवस की सभी लंबित शिकायतें इस हफ्ते निराकृत करने के निर्देश दिये। अगले हफ्ते टीएल में शिकायत लंबित पाये जाने पर संख्या के मान से संबंधित अधिकारी पर पेनाल्टी लगाई जायेगी। समाधान आनलाइन के विषयों से संबंधित कुल 1507 सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को सहमति और संतुष्टि के आधार पर बंद कराने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर ने कहा कि समाधान कार्यक्रम की विषय की शिकायतें फोर्स क्लोज नहीं की जाये।

कलेक्टर ने कहा कि सीपी ग्राम की कुल 154 शिकायतें जिले में लंबित है। सभी शिकायतों का निराकरण करायें। कलेक्टर ने संस्था गत वित्त और बैंकिंग की सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में एलडीएम गौतम शर्मा के कार्यों और परफारमेंस की सराहना की।

जल जीवन मिशन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सभी एकल नल-जल योजनायें जनवरी 2025 तक हर हालत में शत-प्रतिशत पूर्ण कराये। जनपद पंचायत के सीईओ ग्राम पंचायतों को इन्वाल्वकर बन चुकी नल जल योजनाओं का भौतिक सत्यापन कराये। सतना, रघुराजनगर, मझगवां एसडीएम को जिले के 53 नल जल योजना कवर ग्रामों का सत्यापन कराने के निर्देश भी दिये गये। लक्षित वितरण प्रणाली के खाद्यान्न उठाव और वितरण की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि पिछले माह इस अवधि में 80 प्रतिशत खाद्यान्न का उठाव हो गया था। चालू माह में 67 प्रतिशत उठाव और 34 प्रतिशत वितरण ही अब तक हुआ है। धान उपार्जन के पंजीयन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि किसानों के सत्यापन और उपार्जन में सम्पूर्ण जिम्मेदारी एसडीएम की होगी। सभी पंजीकृत किसानों के रकबे का सत्यापन शीघ्र पूर्ण करे। कलेक्टर ने नर्मदा घाटी विकास के लंबित 59 अवार्ड प्रकरणों का निराकरण और रामपुर बघेलान में बगहाई रेल्वे लाइन का कार्य शीघ्र शुरू कराने के निर्देश भी दिये।

प्रधानमंत्री जनजातीय आभा उन्नत ग्राम में 52 गांव चयनित: कलेक्टर अनुराग वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री जनजातीय आभा उन्नत ग्राम अभियान में सतना जिले के 52 अनुसूचित जनजाति बाहुल्य ग्राम चयनित किये गये हैं। इन ग्रामों में संबंधित 10 विकास विभाग विकास कार्यों एवं अधोसंरचनात्मक विकास के प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर आदिम जाति कल्याण शाखा को प्रस्तुत करें।

70 प्लस आयु वर्ग के अब तक बने 3657 आयुश्मान कार्ड: कलेक्टर अनुराग वर्मा ने 70 प्लस आयु वर्ग के लोगों के जिले में बनाये जा रहे आयुष्मान कार्ड की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले में 1 लाख 16 हजार 301 व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक सतना और मैहर जिले में 3657 आयुष्मान कार्ड बनाये गये हैं। कलेक्टर ने आयुष्मान कार्ड बनाने की गति बढाने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिये।

पुलिस ने पकड़े 4 चोर

घर मे सेंध लगा कर जेवरात चुराने वाले गिरफ्तार, मोटर पंप चुराने वाले भी पकड़ाए

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर जिले की अमरपाटन थाना पुलिस ने क्षेत्र में चोरी की दो वारदातों को अंजाम देने वाले 4 चोरों को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, अमरपाटन थाना क्षेत्र के ग्राम भीषमपुर के खिरहची टोला में 6 नवम्बर की रात अज्ञात चोरों ने संगीता लोनी पति दीपक लोनी के घर पर सेंधमारी की थी।

सेंध लगा कर घर मे घुसे चोरों ने लगभग 2 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवरात और नगदी चोरी कर ली थी। अमरपाटन पुलिस ने मामले में अरुण कुमार लोनी उर्फ छोटू पिता छत्रपाल लोनी (19) तथा पुष्पेंद्र कुमार लोनी पिता राधेश्याम (21) दोनों निवासी भीषमपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चुराए गए जेवर तथा 8 सौ रुपए की नगदी बरामद की गई है।

खेत से चुरा ले गए थे मोटर पंप: वहीं ओबरा में पप्पू तिवारी के खेत से 1 नवम्बर को मोटर पंप चोरी होने के मामले का खुलासा करते हुए दो चोरों को गिरफ्तार किया है। पक? गए आरोपियों में ललित लोनी पिता इन्द्रजीत लोनी (22) निवासी ओबरा थाना अमरपाटन जिला मैहर एवं राजन लोनी पिता रामलोटन (19) निवासी ओबरा थाना अमरपाटन जिला मैहर शामिल हैं।

थाना प्रभारी अमरपाटन केपी त्रिपाठी ने बताया कि पप्पू तिवारी का खेत जगदीश यादव ने अधिया में ले रखा था। खेत के कुएं में सिंचाई के लिए मोटर लगी थी जिससे जगदीश ने 31 अक्टूबर की रात सिंचाई की थी। लेकिन सुबह चोरों ने कुएं से मोटर चुरा ली थी।

पंजीकृत किसानों के रकबा सत्यापन के दौरान 2557 हेक्टेयर रकबा हुआ कम

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। खरीफ उपार्जन 2024 में धान विक्रय के लिए पंजीकृत 45606 किसानों के रकबे में फसल का सत्यापन सतना जिले में किया गया है। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को स्पष्ट निर्देश दिये हैं कि शत-प्रतिशत किसानों के रकबे का सत्यापन करें और इस बार धान का उपार्जन फसल गिरदावरी के आधार पर मात्रा आंकलित कर किया जायेगा। कलेक्टर के निर्देशानुसार सतना जिले में एसडीएम एवं तहसीलदारों द्वारा धान के विक्रय के लिए पंजीकृत किसानों के धान के रकबे का सत्यापन किया गया है। जिसमें लगभग 2557 हेक्टेयर रकबा सत्यापन के दौरान कम हुआ।

एसडीएम एवं जिला आपूर्ति अधिकारी एलआर जांगडे ने बताया कि पंजीकृत 45 हजार 319 किसानों के खाते में 87 हजार 544 हेक्टेयर भूमि दर्ज थी। जिसमें सत्यापन के दौरान 2557 हेक्टेयर धान रकबे में कमी दिखी है। इनमें रामपुर बघेलान, नागौद, कोटर, उचेहरा, रघुराजनगर, कोठी, बिरसिंहपुर, मझगवां के सत्यापित किसानों के पास 84987 हेक्टेयर रकबे ही धान की बोनी की गिरदावरी की गई है।

तहसीलवार सत्यापन के निष्कर्ष में तहसील रामपुर बघेलान में 14617 किसानों के पास से रकबा सत्यापन में 544 हेक्टेयर, तहसील नागौद में 10042 किसानों के रकबा सत्यापन में 223 हेक्टेयर, तहसील कोटर में 5888 किसानों के रकबे के सत्यापन में 121 हेक्टेयर, उचेहरा तहसील में 4307 किसानों के रकबा सत्यापन में 1115 हेक्टेयर क्षेत्र कम हुआ है। इसी प्रकार रघुराजनगर तहसील में सत्यापित 4369 किसानों के यहां 139 हेक्टेयर रकबा धान के लिए कम मिला है। तहसील कोठी में 2517 किसानों में से 146 हेक्टेयर, बिरसिंहपुर में 125 और मझगवां तहसील में 134 हेक्टेयर रकबा कम मिला है। इस प्रकार तहसीलदार और एसडीएम द्वारा किये गये 45319 किसानों के खसरे में बोई गई धान की फसल के आधार पर सत्यापन कराया गया। भौतिक सत्यापन के पूर्व रकबा 87544 हेक्टेयर भूमि में 84 हजार 987 हेक्टेयर ही पाया गया। सत्यापन के दौरान कुल 8 तहसीलों में 2557 हेक्टेयर का धान बोनी का रकबा घटाया गया है। राज्य शासन के निर्देशानुसार इस बार की धान खरीदी में धान की फसल की गिरदावरी के आधार पर ही मात्रानुसार धान की खरीदी की जायेगी।

शिक्षक नेताओं के परिजनों का सम्मान

प्रदेश अध्यक्ष बोले- शिक्षकों को मिलने वाली सुविधाएं, वेतन हरिनारायण सिंह जैसे नेताओं की देन

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट में उत्तर प्रदेश माध्यमिक अवकाश प्राप्त शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के तीन दिवसीय प्रादेशिक अधिवेशन का समापन जगदगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय में हुआ। इस अधिवेशन का आयोजन चित्रकूट के पुलिस अधीक्षक डॉ. अरूण कुमार सिंह के पिता और दिवंगत शिक्षक नेता हरिनारायण सिंह की पुण्य स्मृति में किया गया था। मुख्य अतिथि लेखिका डॉ. नीरजा माधव ने मां सरस्वती की वंदना एवं दीप प्रज्ज्वलित कर अधिवेशन का उद्घाटन किया। अधिवेशन के दौरान उन 7 दिवंगत शिक्षक नेताओं के परिजनों का सम्मान किया गया। जिन्होंने शिक्षा और शिक्षकों के हितों के लिए काम किया। मुख्य अतिथि ने परिजनों को अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र भेंट किए। इसके साथ ही संगठन द्वारा प्रकाशित स्मारिका का विमोचन किया गया।

शिक्षक के लिए संघर्ष करना चाहिए: संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र नाथ मिश्र ने कहा- हमें हरिनारायण सिंह जैसे समर्पित शिक्षक नेताओं की संघर्षशीलता से प्रेरणा लेकर शिक्षक समुदाय के लिए सतत संघर्ष रत रहना चाहिए। आज शिक्षकों को मिलने वाली सुविधाएं और वेतन हरिनारायण सिंह जैसे नेताओं की ही देन है। उन्होंने शिक्षकों की पुरानी पेंशन, वित्तविहीन शिक्षकों के लिए मानदेय और व्यावसायिक शिक्षकों को पूर्ण शिक्षक का दर्जा दिलाने जैसी कई मांगों पर संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया।

संस्कारों और आदर्श का प्रदर्शन: सम्मेलन में जुटे सभी शिक्षकों को राम चरण स्मरण और राम वनवास की आध्यात्मिक भूमि चित्रकूट में भगवान राम के आदर्श को आत्मसात करने का संदेश दिया गया।

दो पक्षों में मारपीट, दुकान में घुसकर पीटा

बेटा नहीं मिला तो पिता की हुई पिटाई, नाराज लोग सड़क पर बैठे

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना जिले के बिरसिंहपुर कस्बे में कई दिनों से दो पक्षों के बीच चल रहा विवाद सोमवार को मारपीट तक पहुंच गया। बड़ी संख्या में लोगों ने दुकान में घुसकर दुकानदार की बेरहमी से पिटाई कर दी। बीच बाजार हुई इस घटना के बाद घायल दुकानदार के पक्ष में लोग नाराज होकर सड़क पर बैठ गए। पुलिस ने मामला शांत कराया।

बिरसिंहपुर कस्बे में सोमवार दोपहर करीब 15 लोगों ने बाजार में स्थित बृजलाल चौरसिया की वेल्डिंग की दुकान में घुस कर मारपीट की। उन्होंने बृजलाल चौरसिया को इस कदर बेरहमी से पीटा कि उसके हाथ-पैर टूट गए। इतना ही नहीं शिवम चौरसिया नामक युवक को तलाश रहे हमलावरों ने उसके न मिलने पर चाय की दुकान चलाने वाले उसके पिता भूरा चौरसिया के साथ भी मारपीट की। इस घटना में भूरा के हाथ में भी फैक्चर हुआ है।

घटना के बाद चौरसिया समाज के लोगों का गुस्सा भड़का और वे नाराज हो कर सड़क पर आ बैठे। वे शिवाकांत तिवारी उर्फ रउफ लाला के भाई खबरी पर मारपीट का आरोप लगा रहे थे। खबर मिलने पर सभापुर टीआई शंखधर द्विवेदी उनके बीच पहुंचे और घटना की जानकारी लेकर कार्यवाही का भरोसा दिलाया। नाराज लोग आश्वासन मिलने के बाद ही सड़क से हटे।

विवाद दशहरे के दिन से चल रहा है। दशहरे के दिन चौरसिया और साकेत परिवार के लोगों ने शिवाकांत तिवारी उर्फ रउफ लाला एवं पवन सिंह के साथ एक चाय की दुकान पर मारपीट की थी। इस मामले में कैली चौरसिया उर्फ छोटेलाल एवं अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था।

इस घटना के बाद 6 नवंबर को कुद्दु चौरसिया की पान की दुकान पर शिवाकांत वगैरह ने कैली, शिवम, कुद्दू, गौरीशंकर के साथ विवाद किया। कैली को भी चोटें आई, जबकि हमलावरों ने कुद्दू के सिर पर सरौता मार दिया, लेकिन मारपीट कर भागते वक्त रऊफ लाला फिर कैली चौरसिया के हत्थे चढ़ गया, नतीजतन उसने एक बार फिर रऊफ को पीट दिया।

इस बीच शिवाकांत उर्फ रऊफ का भाई खबरी जेल से बाहर आया और वो भी इस झगड़े में कूद पड़ा। क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि सोमवार को खबरी ने ही बृजलाल चौरसिया और भूरेलाल की दुकान में घुसकर मारपीट की, बाजार में कोहराम मचाया।

मैहर के एक्सीलेंस कॉलेज के नशा मुक्ति कार्यक्रम में शामिल हुई राज्यमंत्री

छात्र-छात्राओं को बताये नशे से होने वाले नुकसान

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री = प्रतिमा बागरी सोमवार को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मैहर में नशा मुक्ति एवं शिक्षा जागरूकता कार्यशाला में सम्मिलित हुई।

राज्यमंत्री बागरी ने छात्र-छात्राओं को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताते हुए कहा कि नशा नाश की जड़ है, इससे हमें हमेशा दूरी बनाना है। नशा न सिर्फ हमारे शरीर को कमजोर बनाता है, बल्कि मानसिक रूप से भी तनावग्रस्त बना देता है। इससे हमारा परिवार का भी सुख-चैन छीन जाता है। नशे से हमारे शरीर में कई प्रकार की घातक बीमारियों हो जाती है। इसीलिये हमें नशे से दूरी बनाकर रखना है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शैक्षणिक स्टाफतथा छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

आज देवउठनी ग्यारस को रहेगा स्थानीय अवकाश

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अनुराग वर्मा ने सामान्य पुस्तक परिपत्र भाग-2 के अनुभाग 4 के प्रावधानों के तहत जिले के लिये घोषित तीन स्थानीय अवकाश में से 1 नवम्बर 2024 शुक्रवार को दीपावली का दूसरा दिन का घोषित स्थानीय अवकाश निरस्त करते हुये इसके स्थान पर 12 नवम्बर 2024 मंगलवार को देवउठनी ग्यारस का स्थानीय अवकाश घोषित किया है। यह अवकाश बैंक एवं कोषालय में लागू नहीं होगा।

मैहर में रहेगा भी अवकाश: कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट मैहर रानी बाटड ने सामान्य पुस्तक परिपत्र भाग-2 के अनुभाग 4 के प्रावधानों के तहत जिले के लिये घोषित तीन स्थानीय अवकाश में से 1 नवम्बर 2024 शुक्रवार को दीपावली का दूसरा दिन का घोषित स्थानीय अवकाश निरस्त करते हुये इसके स्थान पर 12 नवम्बर 2024 मंगलवार को देवउठनी ग्यारस का स्थानीय अवकाश घोषित किया है। यह अवकाश बैंक एवं कोषालय में लागू नहीं होगा।

कसौधन समाज का परिवार मिलन समारोह धूम-धाम से मनाया गया

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कसौधन समाज का परिवार मिलन समारोह धूम-धाम से मनाया गया। जिस देश जाति में जन्म लिया, बलिदान उसी पर हो जावे। प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। प्रांताध्यक्ष स्व. गोविंद गुप्ता की नवमी पुंड्यतिथि मनाई गई मिलन मैरिज गार्डेन में कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे हेतराम जी गुप्ता बिजराघवगढ़।

कार्यक्रम का संचालन ऋषिकेष द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि रही संध्या गुप्ता। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने किया। सज्जनपुर स्थित मुक्तिधाम में समाज द्वारा निर्मित टीन शेड में ग्राम सरपंच मुकेश सिंह के सहयोग से संयुक्त रूप से किया गया वृहद वृक्षारोपण। विशिष्ट अतिथि मंचासीन रहे अशोक गुप्ता, केशरी प्रसाद गुप्ता, डा शुशील गुप्ता, सुरेश गुप्ता, डा सन्तोष गुप्ता, सीताराम गुप्ता।सतना जिले के सभी मंडलों से पधारे सामाजिक बंधुओ को श्री राम नामी फटका पहना कर स्वागत किया गयामहर्षि कश्यप ऋषि एवं स्व.गोविंद गुप्ता जी के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सभी अतिथियों का सज्जनपुर के नवयुवक मंडल द्वारा रामनामी फटका पहना कर स्वागत किया गया। सभी अतिथियों ने अपने उद्बोधन में गोविंद के द्वारा किए गए समसामयिक सामाजिक कार्यों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि हेतराम जी ने अपने उद्बोधन में कहाहुहमारे संगठन को गोविंद जी जैसे नेतृत्व क्षमता रखने वाले कार्यकर्ता की जरूरत है जो सभी को एक सूत्र में पिरो सके। अपने अनुभवों को व्यक्त करते हुए कहा कि बिजराघवगढ़ जैसे छोटे से कस्बे में प्रदेशस्तरीय सामूहिक विवाह सम्मेलनों के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने में गोविंद जी एवं उनकी पूरी टीम के सदभावना इच्छाशक्ति निष्पक्ष मार्गदर्शन एवं संपूर्ण सहयोग के कारण तमाम विपरीत परिस्थितियों के वाबजूद बड़े से बड़े आयोजन को मूर्तरूप दिया सफलता के सोपान स्थापित किया।

इच्छानवमी के अवसर पर आयोजित पुण्यतिथि के कार्यक्रम में जिला कसौधन समाज सतना द्वारा कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे श्री हेतराम जी को शाल श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अपनी सहभागिता निभाई सभी मंडलों एवं जिले के पदाधिकारी कामता गुप्ता, धनेश गुप्ता, ज्ञानचंद गुप्ता, हरिशंकर गुप्ता जिला संगठन मंत्री, रामचंद्र गुप्ता जैतवारा, मार्गदर्शक-निधिगोपाल, रामानंद गुप्ता, रामजी गुप्ता, सतीश गुप्ता, सौरभ कश्यप, अनिमेष गुप्ता, शीतल गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, सूर्यभान गुप्ता, संतोष गुप्ता, अजय गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, देवीदिन गुप्ता,जयप्रकाश कोठार, विनय जी रेंगांव, ज्ञानचंद जी बिहरा, करूणानिधान, द्वारिका जी अध्यक्ष सज्जनपुर, आदि अन्य मंडलों से सैकड़ों सामाजिक बंधुओ ने अपनी उपस्थित दर्ज कराते हुए स्नेहभोज में सम्नलित हुए। सूर्यप्रकाश गुप्ता रीवा, कार्यक्रम में उपस्थिति मात्र शक्तियों द्वारा आंवला वृक्ष का पूजन कर इच्छानवमी पर्व मनाया दीपा गुप्ता, शीला गुप्ता, रागनी गुप्ता, शिवानी कश्यप, वर्षा कश्यप, माया गुप्ता, सुशीला देवी, सरोज गुप्ता, महिमा गुप्ता, सुनीता गुप्ता, रेखा गुप्ता, रानी गुप्ता, मंजू देवी, शालनी गुप्ता, प्रियंका गुप्ता, मंदाकिनी गुप्ता, पुष्पा गुप्ता आदि मात्रशक्तियों ने अपनी उपस्थित दर्ज कराई।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए ऋषिकेश ने सभी उपस्थित लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त किया। आभार प्रदर्शन जिला महामंत्री डॉ संतोष गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का समापन स्नेह भोज में बघेली व्यंजनों के स्वाद के साथ किया गया।

बाल विवाह रोकने उडनदस्ता दल गठित

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। अक्षय तृतीया एवं उसके पश्चात आयोजित होने वाले विवाहों में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत कार्यवाही के लिए विकासखण्ड एवं ग्राम स्तर पर बाल विवाह रोको उडनदस्ता दल का गठन किया गया है।

कलेक्टर मैहर रानी बाटड द्वारा जारी आदेशानुसार विकासखण्ड स्तर पर मैहर, अमरपाटन एवं रामननगर में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), तहसीलदार, परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, नगर निरीक्षक मैहर, अमरपाटन, रामनगर तथा संबंधित सेक्टर पर्यवेक्षक महिला एवं बाल विकास विभाग की डयूटी बाल विवाह रोकने के लिए उडनदस्ता दल में लगाई गई है।

इसी प्रकार ग्राम स्तर पर हायर सेकेण्डरी/हाईस्कूल के प्राचार्य एवं प्राथमिक/माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक, सरपंच, पंच, पंचायत सचिव, आंगनबाडी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, स्व-सहायता समूह की सदस्य, शौर्या दल तथा संबंधित ग्राम व क्षेत्र के बीट प्रभारी को उडन दस्ता दल में शामिल किया गया है।

गठित दल बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर कानूनी कार्यवाही करते हुए कार्यवाही का प्रतिवेदन जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास मैहर को भेजना सुनिश्चित करेंगे।

बाल विवाह रोकने के लिए कंट्रोल रूम स्थापित: 12 नवम्बर को देव उठनी एकदशी के अवसर पर सामूहिक विवाहों में बाल विवाह होने की संभावना के दृष्टिगत जिला बाल संरक्षण अधिकारी कन्या धवारी स्कूल के पास जवाहरनगर में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

जिसका दूरभाष नम्बर 07672-494353 तथा मोबाइल नम्बर 9589527166 है। सतना जिले के किसी भी क्षेत्र में बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर इन दूरभाष क्रमांक में शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

इसके साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी सतना एवं रामपुर-2 में अरूणेश तिवारी 9425194729, सतना-1 के लिए पुनीत शर्मा 9424316692, सोहावल एवं चित्रकूट-1 के लिए अभय द्विवेदी 9424315078, नागौद-1, 2 के लिए इन्द्रभूषण तिवारी 9826529407, चित्रकूट-2 के लिए रीता द्विवेदी 8719078796, रामपुर-1 एवं उचेहरा के लिए रविकांत शर्मा मोबाइल नम्बर 9977217939 पर बाल विवाह होने की सूचना दी जा सकती है।

8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रघुराजनगर (नगरीय) राहुल सिलाडिया द्वारा आदेशानुसार सर्पदंश से मृत्यु होने पर 2 व्यक्तियों पर 8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

जारी आदेशानुसार निवासी बदखर सुनीता केवट के पति एवं निवासी भाद विक्रम सिंह की पुत्री की सर्पदंश से मृत्यु होने पर 8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।